समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, वर्ष 22, अंक 197 पृष्ठ 16 मूल्य : 3.00 1

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 15 अगस्त 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग

परमात्म अनुभूति का सर्वोच्च मार्ग

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

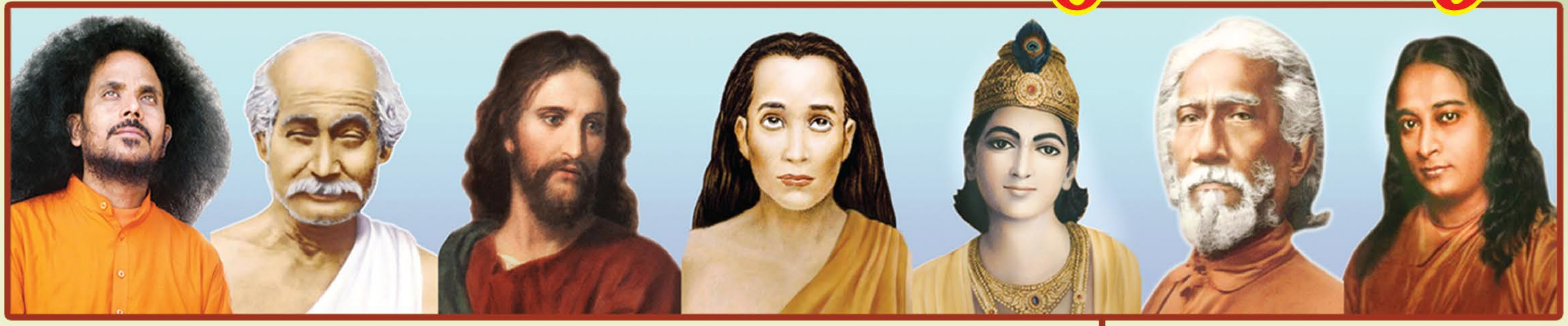

15 अगस्त पावन पर्व पर सच्ची राजनीति स्वीकार करें।

पृथ्वी क्षेत्र को शान्ति क्षेत्र में रूपान्तरित करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी मनुष्यों की शिक्षा का अनिवार्य विषय सत्य की खोज होना चाहिए।

आज की आवश्यकता है कि राजनीति और राजनीतिज्ञ शब्द में छिपे हुए सद्विचार और सच्ची भावना को अनुभव करें। क्रियायोग ध्यान सत्य अन्वेषण का सरलतम वैज्ञानिक अनुसन्धान है। क्रियायोग अभ्यास से पता चलता है कि राजनीति के सच्चे स्वरूप को जानकर उसको अपनाने पर मानव जगत की ही नहीं बल्कि जन्तु–जगत, वनस्पति–जगत तथा अणु–परमाणु जगत की सारी समस्याएँ दूर हो जाती हैं। राजयोग की नीति को रा. जनीति कहते हैं। राजयोग की नीति– शौंच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर की अनवरत अनुभूति है जिसे क्रियायोग अभ्यास के द्वारा सहजता से प्राप्त कर लेते हैं। राजनीति तत्व अनुभव होते ही मनुष्य का स्वरूप दर्शन होता है।

मनुष्य का अनुपम स्वरूप उल्टे वृक्ष की तरह है जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने अश्वत्थः कहा है। मनुष्य स्वरूप में जड़ सिर (हेड और ब्रेन) ऊपर, मुख्य तना (स्पाइन–स्पाइनल कार्ड) व शाखाएँ नीचे की तरफ हैं। इस अनुपम अश्वत्थः वृक्ष में निरन्तर सृजन, सुरक्षा और परिवर्तन के कार्य घटित होते रहते हैं। राजनीति के अस्तित्व को स्वरूप में प्रज्जवलित करने के लिए कैवल्य अवस्था की प्राप्ति आवश्यक है। **कैवल्य अवस्था में मनुष्य ब्रह्माण्ड की सभी रचनाओं से सम्यक् रूप से जुड़ जाता है।**

बिना इस ज्ञान के कोई भी मनुष्य सच्चा राजनीतिज्ञ नहीं हो सकता है। इस अवस्था में अनुभव होता है कि सभी रचनाएँ दूसरे पर सम्यक् तरीके से निर्भर हैं।

स्वतंत्रता का अर्थ है कि ब्रह्माण्ड की सम्पूर्ण रचनाओं की अनुभूति अपने तंत्र में करना। ''तंत्र'' शब्द तीन अक्षरों से बना है – त, ॱ और त्र। त का सम्बोधन पूर्ण स्थिर स्वरूप से है। त के ऊपर बिन्दी का अभिप्राय है इस अवस्था की निरन्तरता। त्र का अभिप्राय है सृजन, सुरक्षा और परिवर्तन के क्रियाकलाप। अपने स्वरूप में सृजन ब्रह्मा का कार्य, सुरक्षा विष्णु का कार्य तथा परिवर्तन शिव का कार्य है जिससे संबंधित क्रियाकलाप निरन्तर होता रहता है। इसलिए स्वतंत्रता का अभिप्राय सृजन, सुरक्षा, परिवर्तन की क्रियाओं में सदैव लीन रहना। यह सब पढ़ने सुनने में कठिन लगता है लेकिन जो पूरे भक्ति से क्रियायोग ध्यान करता है उसके लिए यह अत्यन्त सरल है।

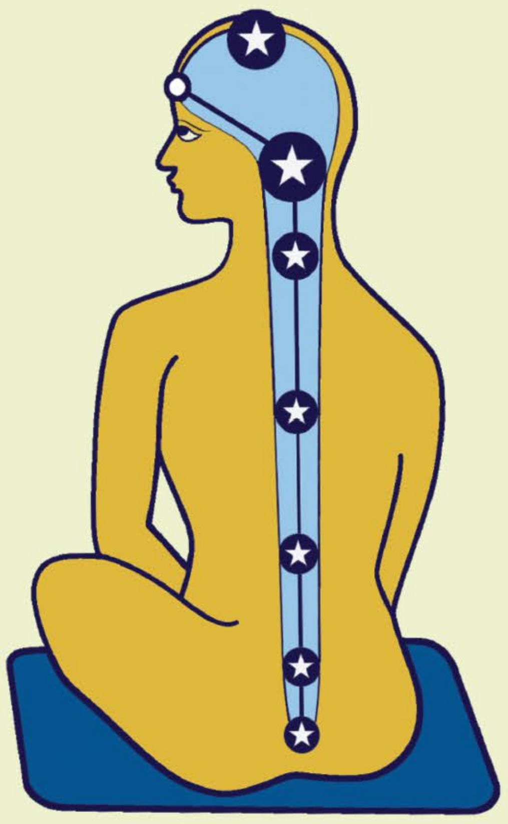

परमात्मा की वेदी

सामान्य रूप में देखा गया है कि सम्पूर्ण स्वतंत्रता की प्राप्ति होने में लगभग 10 लाख वर्ष व्याधिरहित जीवन की आवश्यकता पड़ती है। योगावातार श्री लाहिड़ी महाशय, ज्ञानावतार स्वामी श्री युक्तेश्वर गिरी, श्री परमहंस योगानन्द जी ने यह सिद्ध किया है कि 50 मिनट भक्तिपूर्वक क्रियायोग की साधना करने पर मनुष्य को 30–35 वर्षों में पूर्ण स्वतंत्रता की प्राप्ति हो जाती है।

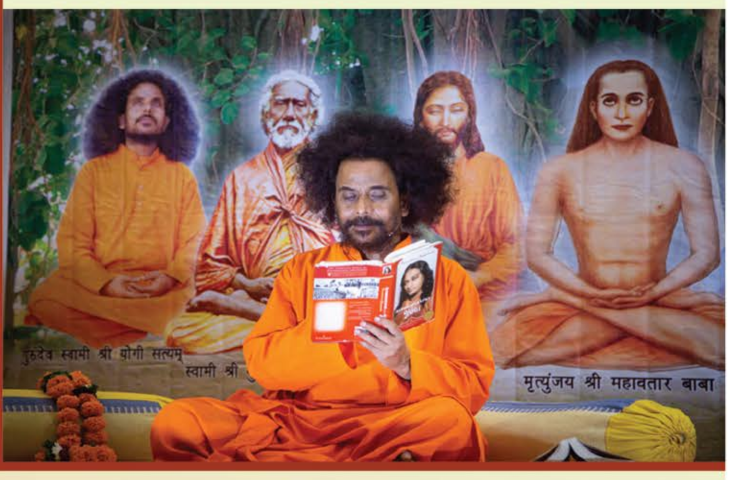

वर्तमान समय आरोह द्वापर का 323 वां वर्ष है। कलियुग 1600 ई0 में बीत गया है।

मानव जीवन का लक्ष्य कैवल्य अवस्था की प्राप्ति

मानव जीवन का लक्ष्य कैवल्य अवस्था की प्राप्ति है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के साथ एकात्मता की अनुभूति को कैवल्य अवस्था कहा गया है। जब यह स्पष्ट ज्ञान प्राप्त हो जाता है कि ब्रह्माण्ड की समस्त रचनाएँ - आकाश, वायु, अग्नि, जल, पृथ्वी, वनस्पतियाँ, जीव-जन्तु, मानव तथा देवी-देवता हमारे ही आत्म स्वरूप की अभिव्यक्ति है, ऐसी अवस्था में कैवल्य अवस्था की प्राप्ति हो जाती है। कैवल्य अवस्था स्वरूप में स्थित होने की अवस्था है जिसे दूसरे शब्दों में आत्मानुभूति, परमात्मानुभूति, आत्मज्ञान, परमात्मज्ञान, अमरत्व की अनुभूति, माया से मुक्ति, अद्वैत अनुभूति आदि अनेक रूपों में ऋषियों-मनीषियों, साधकों व संतों ने व्यक्त किया है। कैवल्य अवस्था की प्राप्ति पूर्ण मुक्ति की अवस्था है जिसमें स्पष्ट अनुभव हो जाता है कि एकमात्र परब्रह्म का अस्तित्व है। वह समस्त स्वरूप, गुण, धर्म तथा लौकिक, पारलौकिक रूपों में अभिव्यक्त हैं। कैवल्य अवस्था में स्थित होने पर साधक, साध्य और साधन तथा क्रिया, कर्ता और कर्म का विभेद समाप्त हो जाता है। केवल एक सत्य परिभाषित होता है जिसे ऋषियों ने अहम् ब्रह्मास्मि कहा है। अहम ब्रह्मास्मि का अभिप्राय है अहम अर्थात हम, मैं, ब्रह्म स्वरूप हैं। दूसरे शब्दों में हमारे और परब्रह्म के बीच दूरी शून्य है। मनुष्य का आत्मस्वरूप और परमात्म तत्व दोंनों एक हैं। आत्मा और परमात्मा के बीच दूरी शून्य है। आत्मा जब अपनी सर्वव्यापकता को विस्मृत कर स्वयं को सीमित नश्वर स्वरूप में अनुभव करती है, तो इस भ्रामक मायावी अनुभूति को जीव भाव कहा गया है। जब मनुष्य यह अनुभव करता है कि वह शरीर के रूप में सीमित हैं, उसका सीमित रूप, रंग, आकार-प्रकार है, उसकी यह जाति है, देश है, धर्म है, इस प्रकार असीम अनन्त सर्वव्यापी सर्वज्ञ आत्मस्वरूप को सीमित रूप में अनुभव करना, जीव भाव है। इसी को अविद्या कहा गया है जो समस्त कष्टों का मूलभूत कारण है। जीवभाव से मुक्त होकर आत्मभाव में प्रतिष्ठित होना कैवल्य अवस्था की प्राप्ति करना है। इस उच्चावस्था को प्राप्त करने के लिए ऋषियों ने अनुसंधान के द्वारा यह आविष्कृत किया कि स्वरूप ज्ञान होने पर परमात्म ज्ञान स्वतः प्राप्त हो जाता है। स्वरूप में स्थित आत्मा, परमात्मा का स्वरूप है। आत्मा हम सभी के अंदर परमात्मा की अभिव्यक्ति है। दूसरे शब्दों में आत्मा परमात्मा का प्रकाश है। इसलिए आत्मा का ज्ञान होने पर परमात्मा का ज्ञान स्वतः प्राप्त हो जाता है। दूसरे शब्दों में आत्मानुभूति ही परमात्मानुभूति है। पैगम्बर अब्राहिम ने स्पष्ट किया है कि स्वरूप अस्तित्व की अनुभूति ही सब कुछ है। स्वरूप दर्शन के स्थान पर किसी अन्य देवी-देवता के दर्शन की कोई कामना न करें। स्वरूप दर्शन से ही परमात्म दर्शन होता है। उक्त कथन का प्रायः गलत अर्थ इस प्रकार लगाया जाता है कि पैगम्बर अब्राहिम ने यह कहा है कि केवल मैं ही प्रभु हूँ। मेरे अतिरिक्त अन्य किसी की पूजा न करिए। यह अर्थ सही नहीं है। पैगम्बर अब्राहिम के द्वारा व्यक्त शब्द मेरे का अभिप्राय मैं अर्थात स्वरूप से है जिसे आत्मा कहा गया है। समस्त देवी-देवता, शक्ति, ज्ञान, शान्ति, जीवन सब कुछ स्वरूप के रूप में प्रकट हो रहा है। स्वरूप परब्रह्म का साकार रूप है जिसमें ब्रह्म का सर्वव्यापी प्रकाश विद्यमान है। इस प्रकार पैगम्बर अब्राहिम इस सत्य को स्पष्ट कर रहे थे कि आत्मानुभूति ही परमात्मानुभूति का मार्ग है। क्रियायोग आत्मानुभूति का सर्वोच्च मार्ग है जिसका वर्णन सभी आत्मसाक्षात्कारी ऋषियों ने किया है। क्रियायोग के अल्प अभ्यास से साधक परमात्मा से पूर्ण एकता की अनुभूति कर लेता है और यह ज्ञान प्राप्त कर लेता है कि हम, मैं, आप और सम्पूर्ण दृश्य-अदृश्य जगत परमात्मा का स्वरूप है। परब्रह्म सभी रूपों में ठीक उसी प्रकार प्रकाशित हो रहे हैं जिस प्रकार समुद्र अनन्त लहरों के रूप में अभिव्यक्त है। जिस दिन इस सत्य का अनुभव हो जाता है मनुष्य ब्रह्माण्ड की समस्त रचनाओं से अनन्त प्रेम करने की क्षमता प्राप्त कर लेता है। उसके अंदर सार्वभौमिक मैत्री का भाव प्रकाशित हो जाता है। वह शत्रु मित्र सभी के अंदर एक ही परबह्म को प्रत्यक्ष देखता है। ऐसा व्यक्ति पैगम्बर सदृश्य हो जाता है जिसकी उपस्थिति से जनसमाज में परिवर्तन होने लगता है। वह जिस मार्ग पर चलता है वह सदियों के लिए अनुकरणीय हो जाता है। जो बोलता है वह शास्त्र बनकर अनन्त काल के लिए अमर हो जाता है। उसके कर्म इतिहास की रचना करते हैं। ऐसा ही प्रभावशाली व्यक्तित्व महात्मा गॉंधी जी का था जिनके द्वारा अहिंसात्मक क्रान्ति से भारत को आजादी मिली। उन्होंने यह दिखा दिया कि सत्य और अहिंसा के द्वारा किसी भी लक्ष्य को पूर्ण गौरव के साथ प्राप्त किया जा सकता है।

महात्मा गॉंधी जी के साथ वर्धा में...

श्री परमहंस योगानन्द जी की आत्मकथा योगी कथामृत का संक्षिप्त प्रसंग -
श्री परमहंस योगानन्द जी का अग्रलिखित विचार समझने व चिन्तन करने योग्य है -

ईसा मसीह के बारे में गांधीजी ने लिखा है : मुझे दृढ़ विश्वास है कि यदि आज वे इस संसार में लोगों के बीच जी रहे होते, तो उन अनेक लोगों के जीवन को अपने आशीर्वाद से धन्य करते, जिन्होंने शायद उनका नाम भी कभी सुना न हो ...। जैसा कि लिखा ही गया हैः वह प्रत्येक मनुष्य नहीं जो मुझे प्रभु, प्रभु कहता है ... परन्तु वह जो मेरे परमपिता की इच्छा का पालन करता है। - मैथ्यू 7:31 बाइबिल स्वयं अपने जीवन के दृष्टान्त से ईसा ने मानवजाति को वह उच्च उद्देश्य और एकमात्र लक्ष्य दिखाया है, जिसे प्राप्त करने का हम सबको प्रयास करना चाहिए। मेरा यह विश्वास है कि वे केवल ईसाइयों के नहीं, बल्कि पूरे संसार के, सब देशों के और सब जातियों के हैं।

वर्धा में हमारे अंतिम दिन की शाम को देसाई द्वारा टाउन हॉल में आयोजित सभा में मैंने व्याख्यान दिया। योग पर व्याख्यान सुनने के लिए आये लगभग 400 लोगों से हॉल खचाखच भर गया, यहाँ तक कि लोगों को खिड़कियों में भी बैठना पड़ा। मैं पहले हिंदी में बोला फिर अंग्रेजी में। हम लोग व्याख्यान समाप्त कर आश्रम में लौट आये और अपने कमरों की तरफ जा रहे थे, तो देखा कि गाँधीजी शान्ति में और अपने पत्र-व्यवहार में मग्न बैठे हैं। सुबह पाँच बजे मैं उठा तो अभी रात का अंधेरा छाया हुआ था। ग्रामीण जीवन में धीरे-धीरे जागृति आ रही थी; सबसे पहले आश्रम के प्रवेश द्वार के सामने से एक बैलगाड़ी गयी, फिर एक किसान सिर पर भारी बोझ संभालते हुए गुजरा। सुबह के नाश्ते के बाद गांधीजी से विदा लेने और उन्हें प्रणाम करने के लिये हम तीनों उनके पास गये। महात्मा जी अपनी प्रातःकालीन प्रार्थना के लिए सुबह 4 बजे ही उठ जाते हैं। महात्माजी, अब हम चलते हैं! मैंने उनके चरणों का स्पर्श किया। आपके हाथ में भारत सुरक्षित है। वर्धा में वह सुखद समय बिताये बरसों बीत गये हैं। जल, स्थल, आकाश में युद्धरत विश्व में अंधकार छा गया है। महान नेताओं में अकेले गांधीजी ने ही सशस्त्र शक्ति के स्थान पर व्यावहारिक अहिंसा का विकल्प प्रस्तुत किया है। शिकायतों और अन्यायों को दूर करने के लिए महात्मा जी ने अहिंसा के उपायों का अवलम्ब किया है और बार-बार उन उपायों ने अपनी प्रभावकारिता सिद्ध की है। गांधी जी अपने सिद्धान्त को इन शब्दों में प्रकट करते हैंः

मैंने देखा है कि विध्वंस और विनाश के बीच भी जीवन चलता रहता है। इसलिए विनाश से भी बड़ा कोई नियम अवश्य है। केवल उसी नियम के अन्तर्गत किसी सुव्यवस्थित समाज का अस्तित्व संभव हो सकता है और जीवन जीने योग्य बन सकता है।

यदि वही जीवन का नियम है, तो हमें दैनिक जीवन में उसका पालन करना चाहिए। जहाँ भी युद्ध हो, जहाँ भी किसी विरोधी से हमारा सामना हो, हमें प्रेम से ही विजय प्राप्त करनी चाहिये। मैंने देखा है कि प्रेम के अचूक नियम ने मेरे जीवन में ऐसे समाधान दिये हैं, जो विनाश के नियम ने भी नहीं दिये। जितने बड़े पैमाने पर इस नियम की कार्यरतता का प्रत्यक्ष उदाहरण देखना संभव हो सकता है, उतने बड़े पैमाने पर हमने यह उदाहरण भारत में प्रत्यक्ष देखा है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि भारत के 36 करोड़ लोगों के मन में अहिंसा ने घर बना लिया है, परन्तु मैं यह दावा अवश्य करता हूँ कि अत्यन्त अल्प समय में यह अन्य किसी भी सिद्धान्त की अपेक्षा कहीं अधिक गहराई तक उतर गयी है।

अहिंसा की मानसिक अवस्था प्राप्त करने के लिए काफी कष्टप्रद साधना की आवश्यकता होती है; उसके लिए सैनिक के जीवन की भाँति कठोर अनुशासनबद्ध जीवन की आवश्यकता होती है। इसकी पूर्णावस्था तभी आती है जब मन, शरीर एवं वाणी में पूर्ण समन्वय स्थापित हो जाये। यदि हम सत्य और अहिंसा के नियम को जीवन का नियम बनाने की ठान लें, तो प्रत्येक समस्या अपना समाधान स्वयं प्रस्तुत कर देगी।

विश्व का राजनैतिक घटनाक्रम इस सत्य की ओर कटु संकेत कर रहा है कि आध्यात्मिक दृष्टि के बिना मनुष्य का विनाश सुनिश्चित है। यदि धर्म ने नहीं, तो विज्ञान ने मानवजाति के मन में असुरक्षा और सब भौतिक पदार्थों की निस्सारता की अस्फुट-सी भावना जगा दी है। अब सचमुच, मनुष्य अपने श्रोत और उद्गम, अपने भीतर स्थित परमात्मा के पास न जाएँ, तो और कहाँ जाएँ? इतिहास पर दृष्टि डालें, तो यह कहना पूर्णतः तर्कसंगत होगा कि पाशवी शक्ति के प्रयोग से मनुष्य की समस्याएँ हल नहीं हुई हैं। प्रथम विश्वयुद्ध के भीषण दुष्कर्मों के कर्मफल ने ही द्वितीय विश्वयुद्ध का रूप लिया। वर्तमान रक्तपिपासु दुष्कर्मों के हिमपर्वत को परस्पर बंधुत्व-भाव की उष्णता ही पिघला सकती है, अन्यथा दुष्कर्मों का यह हिमपर्वत तृतीय विश्वयुद्ध को जन्म दे सकता है। बीसवीं सदी की अमंगल त्रयी! विवादों के निबटारे के लिये मनुष्य मानवी विवेक के स्थान पर जंगल न्याय का अवलम्बन करने जायेंगे, तो पृथ्वी पुनः जंगल ही बन जायेगी। जीवन में भाईचारा स्थापित न हो सका, तो भयानक मृत्यु की गोद में भाईचारा होगा। यह ऐसे घृणित परिणाम के लिए नहीं था कि ईश्वर ने मनुष्य को अणुशक्ति का आविष्कार करने दिया था।

युद्ध और अपराध से कभी कोई लाभ नहीं होता। अरबों डॉलर विस्फोटकों का धुआँ बनकर शून्य में मिल गये। इतने पैसे से तो एक नये विश्व का निर्माण हो सकता था - ऐसे विश्व का निर्माण जो रोग-व्यथा से लगभग मुक्त और दारिद्रय से पूर्णतः मुक्त होता। भय, अराजकता, अकाल और महामारी आदि के प्रलयनृत्यों का रंगमंच न रहकर पृथ्वी शान्ति, समृद्धि और वृद्धिगत होते ज्ञान की विस्तीर्ण भूमि बनती।

गांधीजी की अहिंसा की पुकार मनुष्य की अंतरात्मा को छूती है। राष्ट्रों को अब मृत्यु के साथ नहीं, बल्कि जीवन के साथ, विध्वंस के साथ नहीं बल्कि, निर्माण के साथ; घृणा के साथ नहीं, बल्कि प्रेम के रचनाकारी चमत्कारों के साथ अपना संबंध जोड़ना चाहिये।

महाभारत में कहा गया हैः चाहे किसी प्रकार की हानि क्यों न की गयी हो, मनुष्य को क्षमा कर देनी चाहिये। कहा गया है कि मनुष्य की क्षमाशीलता के कारण ही मानवजाति का अस्तित्व निरन्तर बना हुआ है। क्षमा पवित्रता है; क्षमा के कारण ही सृष्टि टिकी हुई है। क्षमा ही शक्तिमानों की शक्ति है; क्षमा ही त्याग है; क्षमा ही मन की शान्ति है। क्षमा और सौम्यता आत्म-संयमी व्यक्यिों के गुण हैं। ये शाश्वत सद्धर्म का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अहिंसा, क्षमा और प्रेम का स्वाभाविक परिणाम है। गॉंधी जी कहते हैंः धर्मयुद्ध में प्राणहानि आवश्यक ही हो जाये, तो मनुष्य को ईसा मसीह की तरह स्वयं अपना रक्त बहाने के लिए तैयार होना चाहिये, दूसरों का नहीं। इससे विश्व में रक्तपात तो कम होगा!

किसी दिन भारतीय सत्याग्रहियों पर महाकाव्य लिखे जायेंगे, जिन्होंने घृणा का प्रेम से, हिंसा का अहिंसा से सामना किया; जिन्होंने शस्त्र उठाने की अपेक्षा निर्दयता से कट जाना बेहतर समझा। कुछ ऐतिहासिक प्रसंगों पर तो परिणाम यह हुआ कि दमनकारी अपनी बंदूकें फेंककर भाग गये, क्योंकि दूसरों के जीवन को अपने जीवन से अधिक मूल्यवान मानने वाले मनुष्यों को देखकर उनके मन लज्जा से भर गये, वे अंतर में हिल गये।

गॉंधी जी कहते हैं : रक्तपात के द्वारा अपने देश को स्वतन्त्र कराने का प्रयास करने की अपेक्षा आवश्यक हुआ तो मैं सदियों तक स्वतंत्रता की प्रतीक्षा करूँगा। बाइबिल चेतावनी देती हैः ह्यह्यजो तलवार हाथ में लेंगे, वे तलवार से ही कटकर मर जायेंगे। - **मैथ्यू 26:52**

महात्मा गॉंधी जी ने लिखा है : मैं अपने को राष्ट्रवादी कहता हूँ, लेकिन मेरा राष्ट्रवाद उतना ही व्यापक है जितना यह विश्व। वह पृथ्वी के सारे राष्ट्रों को अपने घेरे में लेता है। मेरे राष्ट्रवाद में पूरे विश्व का कल्याण समाविष्ट है। मैं नहीं चाहता कि अन्य राष्ट्रों के भस्मावशेषों पर मेरा भारत खड़ा हो। मैं नहीं चाहता कि भारत एक मनुष्य का भी शोषण करे। मैं चाहता हूँ कि भारत शक्तिशाली बने ताकि वह अन्य राष्ट्रों में भी शक्ति का संचार कर सके। आज ऐसा करने वाला एक भी राष्ट्र यूरोप में नहीं है, वे दूसरों को शक्ति नहीं देते।

अमरिका के राष्ट्रपति विल्सन ने अपने चैदह सुन्दर सूत्र तो प्रस्तुत कर दिये, पर बाद में कहाः शान्ति स्थापित करने का हमारा यह प्रयास विफल हो भी जाता है, तो हमारे पास अपने शस्त्र तो हैं ही। मैं इस स्थिति को उलट देना चाहता हूँ और यह कहना चाहता हूँः मारे शस्त्र तो विफल हो ही चुके हैं। अब हमें किसी नये साधन की खोज में रहना चाहिये। हमें प्रेम और ईश्वर की शक्ति को- सत्य को - आजमाना चाहिये। जब वह हमारे पास होगी, तब हमें और किसी चीज की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

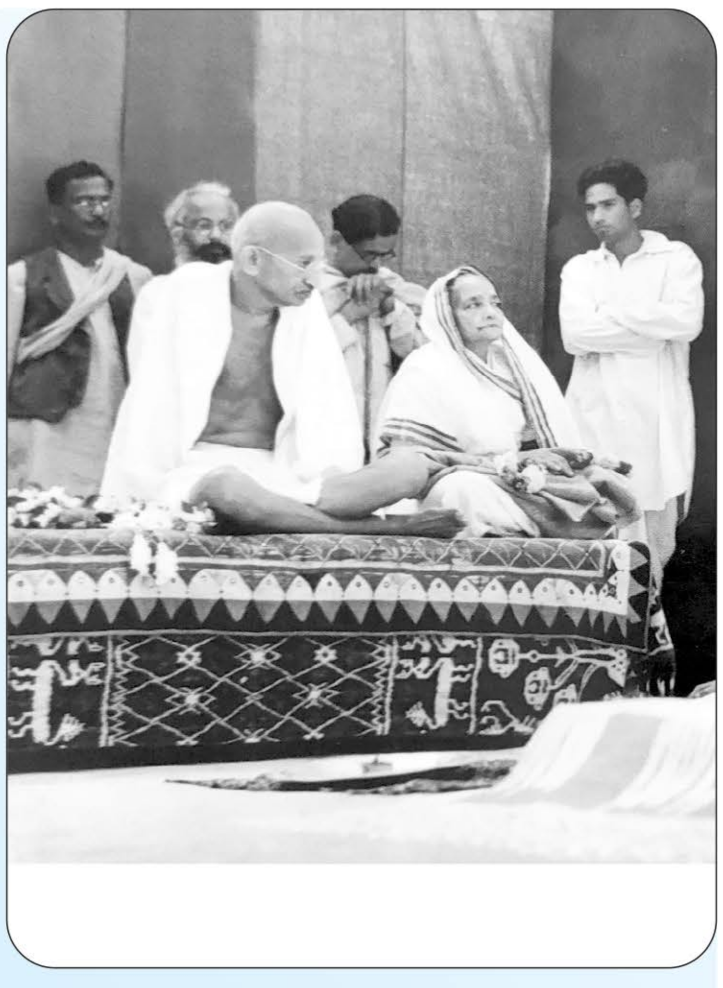

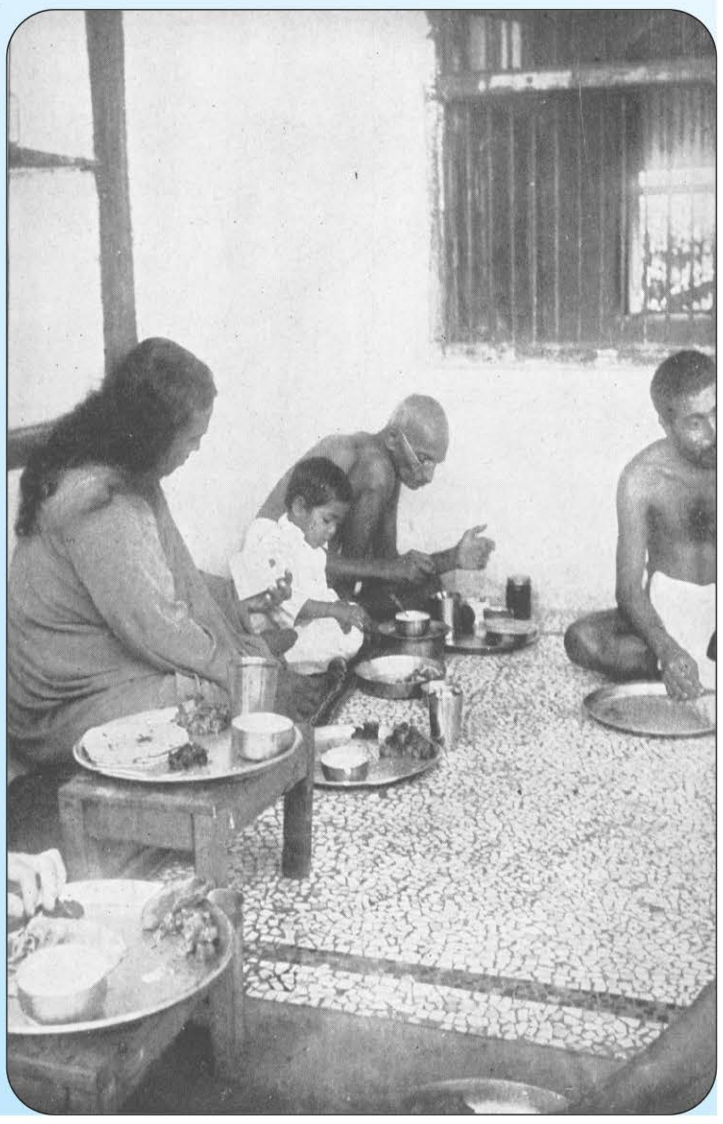

सच्चे राजनीतिज्ञ के लिए अनिवार्य 11 नियम

मनुष्य जीवन की अति आवश्यक शान्तिप्रदायक मुक्तिप्रदायक शिक्षा है राजनीति विज्ञान। शौंच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वरप्रणिधानानि का अभ्यास राजनीति का अभ्यास है। क्रियायोग ध्यान के सम्यक अभ्यास से स्पष्ट होता है कि ब्रह्माण्ड की प्रत्येक रचनाएँ पावन और पवित्र हैं जिसे शौंच शब्द से विभूषित किया गया है।

शौंच - श, औ और च के मिलने से बना है। श जीवन की उर्ध्व अवस्था को व्यक्त करता है। अ और उ के दो बार मिलने से औ का सृजन होता है। अ का अभिप्राय सृजन (ब्रह्मा), सुरक्षा (विष्णु), परिवर्तन (शिव) से संबंधित ज्ञान व शक्ति से है। उ का अभिप्राय उत्तरोत्तर ऊपर की ओर। च का अभिप्राय है समुच्चय अस्तित्व जैसे गुरू शिष्य का शाश्वत संबंध। क्रियायोग ध्यान से जब स्वरूप में बहने वाले जीवन तत्व की दिशा उर्ध्वमुखी हो जाती है, ऐसी स्थिति में अनुभव होता है कि स्वरूप ब्रह्मा, विष्णु और शिव के ज्ञान व शक्ति का साकार रूप है। इससे स्पष्ट है कि सच्ची राजनीति अनुभव करने के लिए सद्गुरू के संरक्षण में क्रियायोग अभ्यास आवश्यक है जिससे गुरू शिष्य के बीच शाश्वत संबंध स्थापित हो जाता है और शिष्य में पूर्ण पवित्रता का अभ्युदय होता है। सच्चे राजनीति के लिए इस अवस्था का अभ्युदय आवश्यक है।

संतोष - क्रियायोग के सम्यक अभ्यास से कैवल्य अवस्था प्राप्त होते ही मनुष्य सर्वक्लेश से निवृत्त हो जाता है। उसका हृदय अविद्या से मुक्त हो जाता है। वह अपने अस्तित्व के अमरता की अनुभूति करता है तथा यह अनुभव करता है कि उसका स्वरूप ज्ञानमय और आनन्दमय है। इस अवस्था की अनुभूति को संतोष कहते हैं। जो व्यक्ति सच्चे राजनीति का अनुभव करना चाहते हैं उनके लिए संतोष अवस्था की प्राप्ति आवश्यक है।

तप - राजनीति का सच्चा ज्ञान तप के अभ्यास से प्रकट होता है। इन्द्रियों (शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध) के क्षेत्र में समस्त अनुभूतियों को विष्णु की शक्ति के रूप में अनुभव करना, तप है। इसका अनुभव होते ही मनुष्य को ब्रह्माण्ड की सभी रचनाओं की रक्षा करने का ज्ञान हो जाता है।

स्वाध्याय- स्वाध्याय का अभिप्राय आत्मतत्व उपदेश के चिन्तन-मनन और आचरण से है। उपदेश में देश शब्द का अभिप्राय राष्ट्र से है। सिर से पैर की ॲंगुली तक इस अस्तितव को राष्ट्र कहते हैं। उपदेश का अर्थ राष्ट्र का निकटतम क्षेत्र। सिर से पैर की ॲंगुली तक निकटतम क्षेत्र आत्मतत्व है। इसका मन बुद्धि से चिन्तन और अभ्यास करना, स्वाध्याय है। अमर गुरू श्री महावतार बाबा जी इस अभ्यास की पूर्णता में हैं। वे जिस शरीर से जन्म लिये थे उसे अभी संरक्षित किये हैं और सदैव अपने स्वरूप को बनाये रखेंगे। इसलिए उन्हें मृत्युंजय अमर गुरू श्री महावतार बाबा कहा गया है। उन्होंने क्रियायोग के ज्ञान को पुनः योगावतार श्री लाहिड़ी महाशय को देकर मानव जाति के लिए मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर दिया।

ईश्वरप्रणिधानानि- ईश्वरप्रणिधानानि का अभिप्राय है, ईश्वर ही प्राण हैं, जीवन हैं, जिससे जुड़ने पर सर्वव्यापकता की अनुभूति होती है। इसलिए ईश्वरप्रणिधानानि को योग की अवस्था भी कहते हैं। शुद्ध राजनीतिज्ञ के लिए ईश्वरप्रणिधानानि की अनुभूति आवश्यक है।

अस्पृश्यता - क्रियायोग अभ्यास से कैवल्य स्थिति प्राप्त होते ही अनुभव होता है कि हमारे और ब्रह्माण्ड के सभी रचनाओं के बीच दूरी शून्य है। ऐसी स्थिति में अस्पृश्यता का भेद-भाव स्वतः मिट जाता है जो सच्चे राजनीतिज्ञ के लिए बहुत आवश्यक है।

स्वाद इन्द्रिय पर नियंत्रण - यह आसानी से अनुभव किया जा सकता है कि क्रियायोग ध्यान के अल्प अभ्यास से सभी प्रकार के स्वाद में आवश्यकता के अनुसार रूचि पैदा करने की सामर्थ्य प्रकट हो जाती है। सभी प्रकार के स्वाद की अनुभूति होने पर-राग द्वेष समाप्त हो जाता है। इस स्थिति के प्राप्त होने पर शरीर में बहने वाले प्राण प्रवाह पर मनुष्य स्वेच्छा से नियंत्रण कर लेता है। महात्मा गॉंधी इन्द्रियों पर सहज रूप में नियंत्रण कर सकते थे। यह इस घटना से प्रमाणित है कि जब महात्मा गॉंधी जी का अपेन्डिक्स का आपरेशन हुआ था, वे बेहोशी की दवा लेने से इंकार कर दिये। उन्हें इन्द्रियों से प्राणशक्ति को नियंत्रित करने की अद्भुत क्षमता प्राप्त थी जिससे वे आपरेशन के दौरान प्रफुल्लित मन से अपने अनुयायियों से बात करते रहे। उनके मन पर शान्त मुस्कान यह दिखा रही थी कि उन्हें दर्द का कोई एहसास नहीं था। इस अद्भुत घटना से उनको विश्व में बहुत प्रसिद्धि मिली जो सभी के लिए असहज था।

निर्भयता- सच्चे राजनीतिज्ञ को भयरहित होना चाहिए। कैवल्य अवस्था की अनुभूति होने पर ही पूर्ण निर्भयता संभव है। क्रियायोग अभ्यास के द्वारा अल्प समय में मन और बुद्धि की यात्रा कैवल्य स्थिति की ओर अग्रसित हो जाती है। उपरोक्त अनेक विवरणों से स्पष्ट हो गया है कि बिना क्रियायोग अभ्यास से सच्ची राजनीति संभव नहीं है।

सर्वधर्म सम्भाव - मनुष्य के लिए सर्वधर्म सम्भाव सप्रेम आवश्यक अनुशासन है। ईश्वर साक्षात्कार प्राप्त किये ऋषियों-मुनियों ने सिद्ध किया है कि क्रियायोग अभ्यास से स्पष्टता के साथ अनुभव होता है कि विभिन्न धर्मों और पंथों द्वारा प्रतिपादित सत्यों में कोई भेद नहीं है। सभी धर्मों में सारभूत एकता है। सामान्य रूप में यह मूलभूत सत्य समझ में नहीं आता है। इसलिए मनुष्य को क्रियायोग का अभ्यास अनिवार्य है।

स्वदेशी - स्वदेशी शब्द स्व, देश तथा ई के संयोग से बना है। स्व का अभिप्राय स्वरूप से है। राष्ट्र का अभिप्राय देश से है तथा ई निकटतम का संबोधन है। सिर से पैर की ॲंगुली तक स्वरूप को श्रीमद्भगवद्गीता में राष्ट्र कहा गया है और यही हमारा निकटतम स्वरूप है। इस मानव स्वरूप रूपी राष्ट्र से विश्व के सभी राष्ट्र जुड़े हैं। इस विचार और भावना में स्थित होना स्वदेशी भाव है। विश्व के सभी राष्ट्र और ब्रह्माण्ड की समस्त रचनाएँ शरीर रूपी राष्ट्र का अभिन्न अंग हैं। इस सार्वभौमिक एकता की अनुभूति को स्वेदशी कहा गया है। सच्चे राजनीतिज्ञ को सदैव इस दिव्य भाव से संयुक्त रहना चाहिए तभी वह सबकी सच्ची सेवा करने में सक्षम होगा।

सत्य व अहिंसा - क्रियायोग ध्यान से एकता की अनुभूति होने पर स्पष्ट होता है कि सत्य व अहिंसा सभी रचनाओं की आत्मा है। सत्य का अभिप्राय किसी रचना के सनातन स्वरूप से है। अहिंसा का अभिप्राय मृत्यु व कष्ट का पूर्णतया अभाव। सच्चे राजनीतिज्ञ में उपरोक्त 11 गुण पूरी तरह से प्रकाशित होते हैं। ऐसा व्यक्ति ही राष्ट्र में रामराज्य की स्थापना कर सकता है। वे सारे अन्य लोग जिनमें उपरोक्त गुण पूरी तरह से प्रकाशित नहीं हुए हैं, उन सबको अति प्रसन्नता के साथ क्रियायोग अभ्यास में लगे रहना चाहिए। ऐसा करने से वे सच्चे राजनीतिज्ञ को पहचान लेंगे।

महात्मा गॉंधी जी ने उपरोक्त 11 व्रतों के पालन की अनिवार्यता पर विशेष प्रोत्साहन दिया है। उनके विचार के अनुसार सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, शारीरिक श्रम, स्वाद इन्द्रिय पर नियंत्रण, निर्भयता, सर्वधर्म समभाव, स्वदेशी, अस्पृश्यता से मुक्ति, इन 11 प्रतिज्ञाओं का विनम्रता से पालन किया जाना चाहिए। - 27 अगस्त 1935

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर गोष्ठी कार्यक्रम में सम्मलित हुए उपमुख्यमंत्री

अखंड भारत संदेश

कहा देश के विभाजन के कारणों को जानना, यह हम सभी का उत्तरदायित्व, साथ ही यह संकल्प लें कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, हम अपने देश का विभाजन नहीं होने देंगे

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को मोती लाल नेहरू मेडिकल कालेज के मेहता प्रेक्षागृह में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित गोष्ठी कार्यक्रम में सम्मलित हुए। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आजादी से पूर्व जिन लोगो ने भारत की स्थिति को देखा या उस पीड़ा को महसूस किया है तथा किताबों में उस स्थिति को पढ़ा है, उसके मन में यह प्रश्न जरूर उठता है कि देश का विज्ञाजन क्यूं हुआ और फिर देश में विभाजन की स्थिति न आयें, इसके लिए देश के सभी लोगो को अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा। उन्होंने कहा कि संकल्प लेना होगा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो, हम अपने देश का विभाजन नहीं होने देंगे। देश का विभाजन ऐसा घाव है, जो कभी भर नहीं सकता है। देश के विभाजन के कारणों को जानना, यह हमारा उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश सुरक्षित हाथों में है। देश की सीमाओं का अतिक्रमण करने का किसी भी देश में साहस नहीं है। हमारी बहादुर सेना के जवान पूरी मुश्तैदी के साथ देश की रखवाली कर रहे है। उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी सरकार सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के सिद्धांत पर कार्य करते हुए सभी पात्र लोगो तक केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। सांसद इलाहाबाद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें आजादी कितनी कठिन परिस्थितियों के बाद मिली है तथा जिन लोगो ने उस समय को झेला है, बेशक यह इतिहास का सबसे दुखद विभाजन है। उन्होंने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, जो प्रेम एवं सद्भावना से भरा हुआ है। महापौर उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी ने अपने सम्बोधन में कहा कि अब भविष्य में देश का कभी भी विभाजन न हो, इसके लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा तथा इसके लिए निरंतर कार्य करते रहना है।विधायक शहर पश्चिमी सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि हम सभी को उन परिस्थितियों पर गौर करना चाहिए कि जो विभाजन हुआ था, वह उचित था या नही। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों पर विस्तार से चर्चा की। विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी ने अपने सम्बोधन में कहा कि विभाजन के दौर को मेरे परिवार ने स्वयं झेला है। विभाजन के समय कितनी कठिन परिस्थितियां देश के सामने आयी होगी, यह हमारे परिवार के लोगो ने करीब से देखा है। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधान परिषद सदस्य के0पी0 श्रीवास्तव, श्रीमती निर्मला पासवान, सुरेन्द्र चैधरी, पूर्व विधायक दीपक पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगणों के अलावा काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद पार्क में बम होने की सूचना, डॉग स्क्वायड के जरिए कराई चेकिंग

प्रयागराज। चंद्रशेखर आजाद पार्क के गेट नंबर 4 के सामने बम होने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना पात ही आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए। जांच पर पाया गया कि फरजी बम था। एहतियात के तौर पर संदिग्ध बम को पानी की बाल्टी में रखकर लेकर गए 1प्रथम दृष्टि में किसी छोटे पत्थर के टुकड़े को बांधकर रखा गया था। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि बम है। सुरक्षा की दृष्टि से बम दस्ते और डॉग स्कॉट को बुलाया गया। टीम ने जांच पड़ताल के बाद साफ किया की ये बम नहीं है।

दोस्तो संग मध्यप्रदेश के बहूटी झरना में स्नान करने गये युवक की डूबने से मौत,परिजनों में मचा कोहराम, दो अन्य मित्रों को गोताखोरों ने बचाया गया

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के जमखुरी गांव का एक युवक अपने दोस्तों के साथ मध्यप्रदेश के सबसे बडे ऊंचे फॉल बहूटी झरना में स्नान करने गए। जिस में एक युवक की डूबने से मौत हो गई जबकि दो मित्रों को गोताखोरों ने बचा लिया। शव सोमवार को गांव आया तो घर में कोहराम मच गया। दो बजे कब्रिस्तान में दफना दिया गया। मऊआइमा के जमखुरी गांव निवासी नसीम अहमद का 30 वर्षीय पुत्र रिजवान अहमद प्रयागराज में रहकर रोजी रोटी कमाता है। बताया गया है कि रविवार को रिजवान अहमद अपने दोस्त ओसामा, अंकित आदि के साथ मध्यप्रदेश के सबसे ऊंचा झरना बहूटी फॉल में स्नान करने गए थे। बताते हैं कि तेज पानी के बहाव में रिजवान डूबने लगा जिसे गोताखोर नहीं बचा सके जबकि अन्य दोस्तों को बचा लिए। सोमवार सुबह पैतृक निवास मऊआइमा के ग्राम जमखुरी जब रिजवान का शव पहुंचा तो स्वजनों में कोहराम मच गया। मृतक के बडे भाई वसीम से छोटा था तथा एक बहन भी है। रिजवान की शादी नवम्बर में तय थी। रिजवान के शव को सोमवार को दोपहर बाद दफना दिया गया। उक्त घटना से स्वजनों में सभी का रो रो कर बुरा हाल है।

बेसिक शिक्षामंत्री के बयान से शिक्षामित्रों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रांतीय आह्वान पर चंद्रशेखर आजाद पार्क में बैठक आहूत कर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह द्वारा उच्च सदन में दिए गए बयान पर नाराजगी व्यक्त की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे संघ के जिलाध्यक्ष वसीम अहमद ने कहा कि डॉ मानसिंह यादव के तारंगित प्रश्नों के उत्तर में बेसिक शिक्षा मंत्री का बयान शिक्षक एवं शिक्षामित्रों के कार्य में भिन्नता होने का लिखित जवाब दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे शिक्षामित्रों में आक्रोश व्याप्त है। शिक्षामित्र विद्यालय में समय से समय तक उपस्थित रहते हुए समस्त कक्षाओं में शिक्षण कार्य करने के साथ साथ विभाग द्वारा आवंटित निपुण लक्ष्य, बालगणना, जनगणना, परिवार सर्वेक्षण, बीएलओ, एफएलएन, एमडीएम, अभिभावक संपर्क, खेलकूद, योग, चहक कार्यक्रम आदि समस्त कार्य अध्यापकों के सामान करते हैं। विभागीय जवाबदेही भी सामान रहती है। फिर मंत्री जी द्वारा शिक्षक और शिक्षामित्रों के कार्य की भिन्नता जवाब देना अज्ञानता का द्योतक है। बैठक का संचालन कर रहे संघ के मंत्री जनार्दन पांडेय ने कहा की अत्यंत अल्प मानदेय में परिवार चलाना कठिन हो गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण सिंह ने कहा कि शिक्षामित्र अवसाद ग्रसित है। निरंतर शिक्षामित्रों की मौतें हो रही हैं लेकिन सरकार के कान में जूं नहीं रेंगती। उपाध्यक्ष सुनील तिवारी ने मंत्री के बयान की निंदा करते हुए कहा कि अब आर या पार के संघर्ष हेतु शिक्षामित्रों को तैयार रहना होगा। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर शिक्षामित्रों ने अपने कामों की लिखी तख्तियां लेकर मंत्री के बयान वापस लेने के नारे भी लगाए। शिक्षामित्र करते काम बराबर, मानदेय मिलता न के बराबर जैसे स्लोगन लिखी तख्तियों को लेकर विरोध दर्ज कराया। बैठक में मुख्य रूप से सरोज सिंह यादव,प्रताप बहादुर सिंह, राजेश कुमार, वीरेंद्र कुशवाहा, लालमणि पाल, महेश सिंह, दशरथ भारती, सुमंत भार्गव, हरिभान सिंह, जमाल अहमद, अनामिका गिरी, सिद्धराज सिंह, रेखा देवी, अंतिमा यादव, निशा तिवारी, अर्चना कुशवाहा, रेनू सिंह, कमलाकर सिंह, घनश्याम दत्त मिश्र आदि दर्जनों शिक्षामित्र उपस्थित रहे।

मेजारोड़ पुलिस चौकी प्रभारी को दी गयी भावभीनी विदाई

सिरसा। मेजा क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी मेजारोड़ प्रभारी राम भवन वर्मा की भावभीनी विदाई पुलिसकर्मियों के द्वारा की गई । उक्त अवसर पर उपस्थित पुलिस कोतवाल मेजा राजेश उपाध्याय ने चौकी प्रभारी के कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि 'जब कोई अपना प्रिय साथी बीच से अलग होता है तो दुख होना लाजिमी है, सहकर्मी ऐसे साथी के द्वारा किए गए कार्य व्यवहार को समय-समय पर याद करते हैं। प्रभारी राम भवन वर्मा ने काफी तत्परता के साथ उनके निदेर्शों का अनुपालन करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। इनके कार्यों से सभी को प्रेरणा लेने की आवश्कता है। इस मौके पर हेड मोहर्रिर सौरभ राय, उप निरीक्षक गोबिन्द राम, अरविंद चौबे, बाबा पटेल, उप निरीक्षक उमेश पटेल सहित कई पुलिस कर्मी और गणमान्य नागरिक लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय आदर्श नगर पंचायत, अझुवा, कौशाम्बी

पंत्राक -मेमो/नं.पं.अ./2023-24 — दिनांक 14.08.2023

स्वच्छ अझुवा — सुन्दर अझुवा

आदर्श नगर पंचायत, अझुवा जनपद- कौशाम्बी

15 अगस्त, 2023 को 77 वाँ स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर नगर पंचायत अझुवा अपने नागरिकों से निम्न अपील करती है।

1. सभी नगर वासी एक वृक्ष अवश्य लगायें।
2. पटरी दुकानदार सड़क/पटरी पर दुकाने न लगायें।
3. कूड़ा कूड़ेदान मे डाले या डोर-टू डोर जाने ई-रिक्शा कूड़ा गाड़ी में ही डालें।
4. नगर को स्वच्छ बनायें और बीमारी से दूर रहने के लिए खुले में शौच न जायें।
5. प्लास्टिक, पॉलीथीन, थर्मोकोल का प्रयोग 15 जुलाई, 2018 से पूर्णतया प्रतिबंधित है, इसका प्रयोग कदापि न करें उसके स्थान पर जूट या कपड़े के बने थैले का प्रयोग करें।
6. स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिए सिटीजन फीडबैक हेतु अधिक से अधिक लोग प्रतिभाग करें।
7. किसी भी प्रकार के अतिक्रमण से दूर रहे नाला/नाली व सड़कों को अवरोध मुक्त रखें।
8. जन्म-मृत्यु का पंजीकरण 21 दिन के अन्दर करवायें और किसी अनावश्क कागजी कार्यवाही से मुक्त रहें।
9. भवनकर, जल मूल्य तथा लाइसेसिंग शुल्क का समय से भुगतान अवश्य करें।
10. नगर पंचायत अझुवा द्वारा बनाये गये सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों को सुरक्षित एवं स्वच्छ बनाये रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।
11. प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि योजनान्तर्गत रेहड़ी और पटरी वाले (छोटे सड़क विक्रेताओं) को अपना खुद का काम शुरू करने के लिए प्रथम बार में धनराशि-10,000.00 (दस हजार) रूपये तक लोन मुहैया कराया जायेगा। सरकार द्वारा लिया गया ऋृण एक वर्ष के भीतर किस्त लौटाने के बाद द्वितीय बार में धनराशि-20,000.00 (बीस हजार) रूपये तथा तृतीय बार में धनराशि-50,000.00 (पचास हजार) रूपये तक का लोन प्राप्त किया जा सकता है।

साकेतचन्द्र श्रीवास्तव, लेखा लिपिक, नगर पंचायत अझुवा-कौशाम्बी
रश्मि सिंह, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत अझुवा-कौशाम्बी
शान्ती देवी कुशवाहा, अध्यक्ष, नगर पंचायत अझुवा-कौशाम्बी
सुजीत कुमार, जिलाधिकारी, कौशाम्बी

कार्यालय नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज

पंत्राक -मेमो/न.पं.लाल/2022-23 — दिनांक 14.08.2023

76वां स्वतन्त्रता दिवस व आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत " हर घर तिरंगा " व मेरी माटी, मेरा देश के अवसर पर नगरवासियों से निम्न आपेक्षाएं की जाती है।

- प्रत्येक नागरिक को अपने आवास/स्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए फहराना/लगाना है।
- सरकारी परिसर में सुर्योदय के उपरान्त ध्वजारोहण किया जाना चाहिए तथा सूर्यास्त के साथ ही सम्मान के साथ उतारना चाहिए।
- झण्डा उतारने के बाद किसी भी नागरिक के द्वारा इसे फेंका नहीं जायेगा। उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए।
- हर घर पर झण्डा विधिवत् तरीके से लगाया जाना चाहिए। आधा झुका, फटा या कटा झण्डा लगाया जाना निषेध होगा।
- पालीथीन पूर्णतः प्रतिबंधित है, कृपया पालीथीन का प्रयोग न करें, पकड़े जाने पर नियमानुसार जुर्माना वसूल किया जायेगा। अतः कपड़े एवं कागज के बने थैले का प्रयोग करें।
- 100 माईक्रोन से कम मोटाई के प्लास्टिक के कैरी बैग और वस्तू 30 सितम्बर 2022 से प्रतिबंधित है।
- गीला कचरा हरे डस्टविन में , सूखा कचरा नीले डस्टविन में ही डालें।
- खुले में शौच व पेशाब न करें। शौचालय व मूत्रालय का प्रयोग करें। कूड़ा खुले में न फेंके, कूड़ा सदैव कूड़ेदान में ही डालें।
- कूड़ा खुलें में फेकते हुए, खुले में शौच व पेशाब करते हुए पकड़े जाने पर 100 रू0 का जुर्माना वसूला जायेगा।
- दो गज की दूरी, मास्क है जरूरीं। सार्वजनिक स्थल पर मुँह व नाक को ढकने के लिए मास्क/कपड़े का प्रयोग करें।
- बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई होने पर तत्काल डाक्टर से सम्पर्क करें।

प्रदीप कुमार मिश्रा, अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
लिपिक, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज
मा0 सभासदगण
जुलेखा, अध्यक्ष, नगर पंचायत लालगोपालगंज, प्रयागराज

कार्यालय नगर पंचायत कोरांव, प्रयागराज

पंत्राक -न.पं.कोरांव/15 अग.वि./2023-24 — दिनांक 14.08.2023

आजादी का अमृत महोत्सव के समापन पर " मेरा माटी मेरा देश" कार्यक्रम एवं स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष एवं समस्त सभासदों की ओर से समस्त नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

1. " हर घर तिरंगा" अभियान के अन्तर्गत अपने आवास/प्रतिष्ठान पर सम्मानपूर्वक तिरंगा अवश्य फहरायें।
2. पॉलीथीन पूर्णतया प्रतिबन्धित है, पॉलीथीन का प्रयोग कदापि न करें।
3. समस्त व्यापारी भाइयों से अपील है कि किसी भी ग्राहक को बिना कपड़े /जूट के थैले के सामान न दें।
4. खुले में शौच न जायें, निकाय द्वारा निर्मित सामुदायिक/सार्वजनिक शौचालय का प्रयोग करें।
5. निकाय निहित भूमि, सड़क, पटरियों एवं नालियों पर अतिक्रमण न करें।
6. सड़क एवं गलियों में साफ-सफाई के पश्चात् कूड़ा सड़क पर न फेकें।
7. अपने घरों का कचरा निकाय द्वारा संचालित कूड़ गाड़ी/डोर टू डोर रिक्शा गाड़ी को ही दें।
8. जल ही जीवन है, जल का संचय करें एवं नलों में टोटियों का प्रयोग करें।
9. जलमूल्य एवं गृहकर का भुगतान समय से करें।
10. स्ट्रीट लाईटें एवं सार्वजनिक/सामुदायिक शौचालय आपके लिए है, कृपया उन्हें नुकसान न पहँचायें।
11. जन्म/मृत्यु का पंजीकरण 21 दिनों के भीतर अवश्य करायें, तथा अनावश्यक दस्तावेज से बचें।

सम्मानित सदस्यगण

1. ब्रजेन्द्र प्रसाद 2. रेखा देवी 3. सचिन केशरी 4. संजय कुमार (चुलबुल) 5. राजकुमार 6. शैलेश कुमार, 7. सुफिया बेगम 8. सुमन देवी, 9. सरला देवी 10. धर्मराज 11. मुस्तफा (गाँधी)

(बन्टी कुमारी), अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत कोरांव, प्रयागराज
(ओम प्रकाश सिंह), अध्यक्ष, नगर पंचायत कोरांव, प्रयागराज

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सेंट पीटर्स स्कूल
श्रीमती शिवानी खेड़ा सोनी
प्रधानाचार्य
छतवां, सिरसा
वि. ख.-उरूवा, प्रयागराज

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी पॉली क्लीनिक
डा. संतोष कुमार पटेल
निदेशक
खानपुर बरी, सिरसा
मेजा, प्रयागराज
मो- 9839641472

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र
डा. नीरज सिंह पटेल
अधीक्षक
राम नगर वि. ख.-उरूवा, प्रयागराज

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

राम मनोरथ जी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत गोसौरा कला
विकास खण्ड-उरूवा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सच्चिदानंद द्विवेदी
ए.डी.ओ.
कोआपरेटिव
वि.ख. मेजा, प्रयागराज

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एस.डी. पब्लिक स्कूल एण्ड कालेज
ग्राम पंचायत रामनगर
वि. ख.-उरूवा, प्रयागराज
मो-9794637858
श्रीमती संगीता देवी (प्रधान)
नीरज सिंह यादव
प्रधान प्रतिनिधि

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सरस्वती ज्ञान मंदिर
बाबू प्रसाद सिंह
(प्रधानाचार्य)
सिरसा, वि.ख. -उरूवा, प्रयागराज

सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

आर.ए. मार्डन पब्लिक स्कूल
रमेश चन्द्र – प्रबन्धक
आशुतोष यादव
(प्रधानाचार्य)
ग्राम पंचायत उपरौड़ा (लोहारी) वि. ख.-उरूवा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

भाग्य लक्ष्मी इन्फ्रावेंचर प्रा. लि.
भटौती, मेजा, प्रयागराज
नीतेश खत्री
महेश अग्रवाल
चंदन भाई जी
निदेशक
आशुतोष मौर्या
प्रबन्धक

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

लक्ष्मी स्टोन वर्क्स
भटौती, मेजा, प्रयागराज
रामू केशरवानी
शत्रुघ्न भाई जी
निदेशक
दीपक श्रीवास्तव
प्रबंधक

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पी पी पाण्डेय इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा लि.
भटौती, मेजा, प्रयागराज
अवधेश पाण्डेय
निदेशक/प्रबन्धक
दिलीप तिवारी
सहायक प्रबन्धक

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विश्वनाथ क्रेशर ग्रुप
भटौती, मेजा, प्रयागराज
पंकज पाण्डेय
तनय पाण्डेय
निदेशक
रामनाथ विश्वकर्मा
प्रबन्धक

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सोनू कुमार पटेल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-भसुन्दर
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

स्नातक शिक्षा के लिए सुप्रसिद्ध
मेजा का एक मात्र महाविद्यालय
आर.बी.एस. महाविद्यालय
आदित्य प्रकाश शुक्ल
प्रबन्धक
मेजा खास, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मैना लाल निषाद
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत-भटौती
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती नेहा परवीन
ग्राम प्रधान
अरशद खान
प्रधान प्रतिनिधि
गाँव का विकास ही मूल उद्देश्य
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेश जी
टी.ए.
वि.ख.-मेजा
प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अजय कुमार सिंह
वन क्षेत्राधिकारी
वन रेंज कार्यालय
मेजा, प्रयागराज

MUNPL
G20
Azadi Ka Amrit Mahotsav
एनटीपीसी NTPC
मेजा ऊर्जा निगम प्राइवेट लिमिटेड
(एनटीपीसी लिमिटेड और यूपीआरवीयूएनएल का एक संयुक्त उद्यम)
की ओर से
स्वतन्त्रता दिवस
की
हार्दिक शुभकामनाएँ

पंजीकृत कार्यालय: एनटीपीसी भवन, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
साइट ऑफिस : मेजा थर्मल पावर प्लांट, कोहड़ार,तहसील – मेजा, प्रयागराज- 212308
CIN :U74900DL2008PTC176247
05322693126
munplit@ntpc.co.in
https://munpl.co.in

संपादक की कलम से

नई नीतियों से पर्यावरण और पारिस्थितिकी को नुकसान

पी.सुधीर

देश की खनिज संपदा का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्रों में स्थित है। इन बदले हुए कानूनों के साथ, कोई भी कॉर्पोरेट निकाय वन क्षेत्र या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह किये बिना पूर्ण पैमाने पर विनाशकारी अन्वेषण शुरू कर सकता है। इस पहलू में, दो संशोधित कानूनों - एफसीए और एमएमडीआर- पर सरसरी नजर डालने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है। इसके अलावा, कुछ निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निपटाया जाता था, खनन अधिकारों की नीलामी आमतौर पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में थी। लोगों या पर्यावरण की परवाह किये बिना देश के प्राकृतिक संसाधनों को निजी पूंजी के शोषण के लिए खोलने की अपनी घोषित नीति को जारी रखते हुए, मोदी सरकार ने संसद में दो कानून लाये हैं जिनके गंभीर परिणाम होंगे। एक वन (संरक्षण) अधिनियम (एफसीए) में संशोधन और दूसरा खान और खनिज (विकास और विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम में संशोधन करना है। 1980 में पारित, एफसीए में वनों के रूप में नामित भूमि के मनमाने ढंग से आरक्षण को रोकने के लिए सख्त प्रावधान थे। इसका उद्देश्य वनों को अंधाधुंध कटाई से बचाना था। आदिवासी समुदायों को भूमि के अधिकार देने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए, बाद में 2006 में, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों (वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम), जिसे एफआरए के रूप में जाना जाता है, के माध्यम से कुछ छूट शामिल की गई। मोदी सरकार द्वारा पेश किये गये नये विधेयक में वनों की परिभाषा को कमजोर करने और सड़कों, रेलवे लाइनों, सुरक्षा बुनियादी ढांचे, रक्षा शिविरों, वायरलेस स्टेशनों, पुलों के निर्माण के लिए छूट प्रदान करके मौजूदा कानून की संपूर्ण नियामक संरचना को कमजोर करने का उपाय किया गया है। खाइयों, पाइप लाइनों और यहां तक कि चिड़ियाघरों, सफारी और पर्यावरण-पर्यटन सुविधाओं के लिए भी यह लागू होगा। यह 1996 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित वनों की अवधारणा को फिर से परिभाषित करता है, जिसके तहत उन क्षेत्रों को वन के रूप में परिभाषित नहीं किया गया था जिन्हें 'मानित वन' माना जाता था। यह विधेयक ग्राम सभाओं और अन्य निगरानी समितियों से अनिवार्य सहमति के एफआरए प्रावधानों को खत्म कर देता है, जिससे आदिवासी समुदाय अपनी भूमि के अधिग्रहण के खिलाफ पूरी तरह से असहाय हो जाते हैं। इससे एक ही झटके में न केवल जंगल विनाश के लिए खुल जायेंगे बल्कि उनके निवासी विस्थापित हो जायेंगे। यह स्पष्ट है कि यह वन भूमि के अधिग्रहण के लिए कानूनों और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों द्वारा लगाई गई नियामक सीमाओं से छुटकारा पाने के लिए किया जा रहा है। ये दूरगामी परिवर्तन मोदी सरकार द्वारा अपने शासनकाल के एक दशक में पर्यावरण नियामक ढांचे को लगातार खत्म करने की निरंतरता को जारी रखते हैं। पिछले उपायों (या तो संशोधन या यहां तक कि सरकारीआदेशों के रूप में पेश किये गये) में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन नियमों, तटीय क्षेत्र नियमों आदि को कमजोर करना शामिल है। वन संरक्षण अधिनियम संशोधन के साथ, सरकार ने जैविक विविधता अधिनियम में संशोधन भी इसी तरह से पारित कराया। यह परिवर्तन अधिनियम के तहत अपराधों को कम कर देगा, और आयुष चिकित्सकों को कानून से छूट देते हुए 'संहिताबद्ध पारंपरिक ज्ञान' की परिभाषा को धुंधला कर देगा। यह सब कॉर्पोरेट हितों, विशेषकर फार्मास्युटिकल संस्थाओं द्वारा संचालित वनस्पतियों और जीवों के बेलगाम निष्कर्षण का रास्ता खोल देगा।

अंग्रेजों के जमाने का बदला कानून

अशोक भाटिया

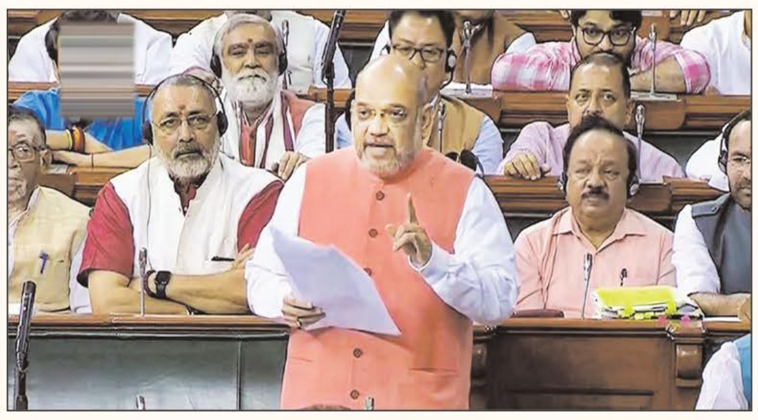

देश में कानूनों में बड़े बदलाव की सिफारिश केंद्र सरकार ने की है। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदन के सामने तीन बिल पेश किए। इन बिलों में इंडियन पीनल कोड और क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धाराओं में बदलाव की सिफारिश की गई। साथ ही नया भारतीय न्याय संहिता का प्रस्ताव रखा गया। इन तीनों विधेयकों में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के लिए मूलभूत कानून हैं। अमित शाह के अनुसार इंडियन पीनल कोड, 1860, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, (1898), 1973 और इंडियन एवीडेंस एक्ट, 1872 में अंग्रेजों द्वारा बनाए गए और अंग्रेजी संसद द्वारा पारित किए गए इन तीनों कानूनों को समाप्त कर आज हम तीनों नए कानून लाए हैं। इंडियन पीनल कोड, 1860 की जगह भारतीय न्याय संहिता, 2023 स्थापित होगा, क्रिमिनल प्रोसीजर कोड, 1898 की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और इंडियन एवीडेंस एक्ट, 1872 की जगह भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 स्थापित होगा। समाप्त होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे और उनका उद्देश्य दंड देने का था, न्याय देने का नहीं था, इन दोनों मूलभूत चीजों को हम परिवर्तन करने जा रहे हैं। इन तीनों कानूनों को रिप्लेस कर आने वाले तीन नए कानूनों की आत्मा होगी, भारतीय नागरिकों को संविधान द्वारा दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना होगा ।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने देश को आश्वस्त किया कि 1860 से 2023 तक अंग्रेजी संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के आधार पर इस देश का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम चलता रहा, अब इन तीनों कानूनों की जगह भारतीय आत्मा के साथ ये तीन कानून स्थापित होंगे जिससे हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा। अभी के कानूनों में मानव हत्या या स्त्री के साथ दुराचार जैसे जघन्य अपराधों को बहुत नीचे रखा गया और राजद्रोह, खजाने की लूट शासन के अधिकारी पर हमले जैसे अपराधों को इनसे ऊपर रखा गया। इन नए कानूनों में सबसे पहला चैप्टर महिलाओं और बच्चों के साथ अपराध पर होगा। दूसरा चैप्टर मानव वध और मानव शरीर के साथ होने वाले अपराधों पर होगा। हम शासन की जगह नागरिक को केन्द्र में लाने का बहुत बड़ा सैद्धांतिक निर्णय कर ये कानून लाए हैं। अमित शाह के अनुसार इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2019 में हम सबका मार्गदर्शन किया था कि अंग्रेजों के समय के बनाए गए जितने भी कानून जिस विभाग में भी हैं, उन पर पर्याप्त चर्चा और विचार कर आज के समय के अनुरूप और भारतीय समाज के हित में बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन कानूनों को बनाने के लिए हर जगह व्यापक कंसल्टेशन किया गया है। गृह मंत्री ने कहा कि उन्होने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी सांसदों, मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों और संघशासित प्रदेशों के प्रशासकों को पत्र लिखे गए।

इसके बाद व्यापक कंसल्टेशन के बाद आज ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। उन्होंने कहा कि 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विधायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। श्री शाह ने कहा कि 4 सालों तक इन पर गहन विचार विमर्श किया गया है और वे स्वयं 158 बैठकों में उपस्थित रहे हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, जो क्रिमिनल प्रोसीजर कोड को रिप्लेस करेगी, में अब 533 धाराएं रहेंगी, 160 धाराओं को बदल दिया गया है , 9 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 9 धाराओं को निरस्त किया गया है। भारतीय न्याय संहिता, जो इंडियन पीनल कोड को रिप्लेस करेगी, पहले की 511 धाराओं के स्थान पर अब 356 धाराएं होंगी, 175 धाराओं में बदलाव किया गया है, 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 22 धाराओं को निरस्त किया गया है। भारतीय साक्ष्य विधेयक, जो साक्ष्य अधिनियम को रिप्लेस करेगा, इसमें पहले की 167 के स्थान पर अब 170 धाराएं होंगी, 23 धाराओं में बदलाव किया गया है, एक नई धारा जोड़ी गई है और 5 धाराएं निरस्त की गई हैं।

अमित शाह के अनुसार कुल 475 जगह गुलामी की इन निशानियों को समाप्त कर आज हम नए कानून लेकर आए हैं। इन कानूनों से हमने नए युग को भी जोड़ने का प्रयास किया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ गई है और अदालत में जाने से डरते हैं। इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से होगा। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच-पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकदमे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के वक़्त हमने वीडियोग्राफी को कंपल्सरी कर दिया है जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा। पुलिस द्वारा ऐसी रिकॉर्डिंग के बिना कोई भी चार्जशीट वैध नहीं होगी।

अब कानूनों में बदलावों के बाद अदालतें पूरी तरह से डिजिटल होंगी। आम लोगों को न्याय के लिए सालों साल, पीढ़ी दर पीढ़ी इंतजार नहीं करना पड़ेगा। अब लोगों को अदालतों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। घर बैठे केस की सुनवाई भी होगी, गवाही भी होगी और फैसला भी होगा। अब सबूतों के अभाव में अपराधी बरी नहीं होंगे और केस प्रॉपर्टी के तौर पर जब्त किए गए सामान को पुलिस थानों के मालखानों में कबाड़ की तरह रखने की जरूरत नहीं होगी। इनका डिजिटल साक्ष्य कोर्ट में पेश किया जा सकेगा। मतलब ये कि अब देश में न्याय प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और आसान होगी। शाह ने जो 3 बिल लोकसभा में पेश किए, वे अब संसद की स्थायी समिति के पास जाएंगे। जब ये कानून की शक्ल लेंगे तो न्याय व्यवस्था में जबरदस्त बदलाव दिखेगा। अदालतों में लगने वाली भीड़ खत्म होगी। दशकों से लटके मामले, केस की फाइलें अब डिजिटल हो जाएंगी। सरकार कानूनों में जो बदलाव करने जा रही है, उसका आपके जीवन पर काफी असर पड़ेगा। आम लोगों को न्याय मिलना आसान होगा। पुलिस का काम पारदर्शी होगा। सबूतों के साथ छेड़छाड़ और सबूतों को नष्ट होने से रोका जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि इन बदलावों का मकसद ये है कि लोगों को न्याय तेजी से मिले, बेगुनाहों को परेशानी ना हो, दोषी बचें नहीं और कन्विक्शन रेट बढ़े। इस बात का एहसास तो पहले भी था कि हमारी आपराध प्रक्रिया संहिता पुरानी है। अंग्रेजों के जमाने की है, लेकिन अमित शाह की बात सुनकर तो रोंगटे खड़े हो गए। यकीन ही नहीं हुआ कि हम 75 साल से पुराने कानूनों को लेकर काम चला रहे हैं।

वे पुराने कानून जिनका अंग्रेजों की पुलिस बड़ी आसानी से बेजा इस्तेमाल करती थी और आज की पुलिस भी करती है। वे कानून जिनका आज अपराधी पूरा फायदा उठाते हैं, कड़ी सजा से बच जाते हैं। ये कानून ऐसे हैं कि पीड़ित को लगने लगता है कि शायद उसने कोई गुनाह किया हो, वो कानून जिसके तहत अपराधी को सजा दिलाने में लोगों की सारी जायदाद बिक जाती है।

इंसाफ के लिए लड़ते-लड़ते जिंदगी के कीमती साल बर्बाद हो जाते हैं, गवाह थक जाते हैं, परेशान हो कर हार मान लेते है। तारीख पे तारीख का सिलसिला चलता रहता है। आप निर्भया के केस को याद कीजिए। सारा देश निर्भया की मां के साथ खड़ा था।। पूरी सरकार हत्यारों को सजा दिलाना चाहती थी। पुलिस पर जबरदस्त दवाब था। ये ओपन एंड शट केस था। सारे सबूत थे, गवाह थे तो भी दरिंदों को फांसी तक पहुंचाने में 7 साल 3 महीने लग गए। यह वो केस है जो सारी दुनिया के सामने था। ये तो वो केस है जो फास्ट ट्रैक में था लेकिन अपील पर अपील होती रही। निर्भया की मां एक से दूसरी अदालत में दौड़ती रही।

जेसिका लाल के केस में क्या हुआ हम सबने देखा। ऐसे हजारों केस हमारे और आपके सामने हर रोज आते हैं, जिनमें पूरा सिस्टम सिर्फ न्याय में देरी कराने का काम करता है। कभी सबूतों को लेकर, कभी फॉरेन्सिक जांच को लेकर, कभी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को लेकर, कभी केस की प्रॉपटी को लेकर सवाल उठते रहते हैं। केस में तारीख पर तारीख लगती जाती थी। अपराधियों को जमानत मिल जाती थी, और जिसके परिवार के साथ अपराध हुआ वो अपने आपको बचाता फिरता था। हम मान कर बैठ जाते थे कि ऐसे ही चलता है, क्या करें कानून ही ऐसा है। अगर अमित शाह ने संसद में जो कहा वो वाकई में हो गया, तो ये एक क्रांतिकारी काम होगा अदालतों मे इंसाफ के लिए भटक रहे करोड़ों लोगों को राहत मिलेगी। इतिहास अमित शाह को याद रखेगा।

मणिपुर के राहत शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

डॉ.आनंद जकरिया व डॉ. रमानी अटकुरी

मणिपुर का मानवीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट असाधारण है। दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बड़े पैमाने पर विस्थापन हो रहा है। इन कारणों से स्वास्थ्य प्रणाली पंगु हो रही है और इसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल परिणाम होंगे। सरकार सेवाएं प्रदान करने की कोशिश कर रही है।

यह लेख मणिपुर में 100 से अधिक दिनों से जारी मानवीय संकट के समय चिकित्सा सुविधाओं की कमी की ओर पर आम जनता और चिकित्सा समुदाय का ध्यान तत्काल आकर्षित करने के लिए लिखा जा रहा है जो मणिपुर में काम कर रहे स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों से प्राप्त आरंभिक सूचनाओं और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टों के आधार पर लिखा गया है। वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, स्वास्थ्य निहितार्थ और इसे सुधारने के लिए क्या किया जाना चाहिए- इस पर संक्षेप में प्रकाश डालना इसका उद्देश्य है। मणिपुर में हिंसा, आगजनी तथा हत्याओं के परिणामस्वरूप घाटी और पहाड़ी दोनों में अस्थायी आश्रयों में बड़ी संख्या में विस्थापित लोग हैं। स्कूल, छात्रावास, गोदाम, पूजा स्थल या सामुदायिक हॉल जैसी जगहें इन लोगों का आश्रय स्थल बने हुए हैं। स्थानीय लोग और नागरिक समाज संगठन अपनी क्षमता के अनुसार विस्थापितों को राहत प्रदान कर रहे हैं लेकिन यह प्रभावितों की जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त है। प्रभावित कई लोगों ने राज्य छोड़ दिया है और पड़ोसी राज्यों (नगालैंड, असम, मिजोरम आदि) या उनके परिवार या रिश्तेदार अगर हैं तो नई दिल्ली और बेंगलुरु जैसे दूर-दराज के शहरों में चले गए हैं मणिपुर में चल रहे संघर्ष के कारण अब घाटी और पहाड़ियों के बीच एक अनौपचारिक क्षेत्रीय विभाजन है जिसमें दोनों क्षेत्रों के बीच लोगों, सामानों और वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। ये बातें सभी को मालूम है लेकिन डर है कि संकट की सीमा और पैमाने का पूरा अंदाज किसी को नहीं है। अस्थिर और अंशात मणिपुर में इस समय 70 हजार से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, 142 व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना है जबकि 6,000 से अधिक घायल हुए हैं। भारत में मानवीय एजेंसियों के राष्ट्रीय गठबंधन स्फीयर इंडिया के अनुसार, इन विस्थापितों ने मणिपुर के 10 जिलों में स्थित 253 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। यह रिपोर्ट अंतर-एजेंसी समन्वय समिति (राहत में शामिल एजेंसियां) की बैठकों और यूनाइटेड रिस्पांस स्ट्रैटेजी (यूआरएस) मैट्रिक्स का उपयोग कर 100 से अधिक स्थानीय संगठनों की प्रतिक्रिया के आधार पर बनाई गई है। मणिपुर में कार्यरत या वहां का दौरा कर चुके डॉक्टरों के अनुसार, शिविरों में साफ-सफाई की स्थिति गंभीर है खासकर बुजुर्ग और कमजोर लोगों के लिए। वहां भीड़-भाड़ है और स्वच्छता नहीं है। प्लास्टिक के बड़े टैंकों में पानी संग्रहित किया जाता है जो बाहर एक नल या बोरवेल से भरा जाता है। पानी कीटाणुरहित नहीं किया जाता है। अपशिष्ट जल की निकासी की व्यवस्था भी अपर्याप्त है। मानसून की शुरूआत होने के साथ ही स्वच्छता और जल निकासी बदतर हो गयी है। ऐसी भीड़-भाड़ वाली स्थिति में पर्याप्त सुविधा न होने के कारण बीमारी के प्रकोप का खतरा है। कुछ विस्थापित व्यक्तियों को मच्छरदानियां उपलब्ध कराई गई हैं। विस्थापितों को भोजन के रुप में सुबह-शाम मुख्य रूप से दाल और चावल दिया जाता है। कभी-कभी बहुत कम मात्रा में सब्जियां या मांस दिया जाता है। छोटे बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं व बुजुर्गों की देखभाल के लिए न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल तथा नियमित टीकाकरण सेवाएं बाधित हो गई हैं। एंटी-हाइपरटेंसिव या एंटी-डायबिटिक दवाओं की बहुत कम आपूर्ति है। बहुत कम सुविधाओं वाले इन शिविरों में प्रसव कराए जा रहे हैं। गंभीर रूप से बीमार रोगियों को अस्पताल ले जाना मुश्किल है।

संसद पर मोदी का एकाधिकार

हाल की अनेक सियासी घटनाओं ने इस खतरे के साफ संकेत दे दिये हैं कि देश की संसद पर सत्ता का लगभग एकाधिकार हो गया है। बहुमत के बल पर संविधान में सरकार बनाने के तो प्रावधान पर हैं लेकिन उसके शब्दों व भावना में कभी भी सर्वोच्च विधायिका पर सत्तारुढ़ दल का एकाधिकार संविधान निमार्ताओं व देश के राजनैतिक पुरखों ने सोचा तक नहीं था। दुखद तो यह है कि ऐसा देश की आजादी के हीरक जयंती वर्ष के तत्काल बाद किया गया जिसे 'अमृतकाल' कहकर खूब प्रचारित और महिमामंडित किया गया। यह भी सर्वाधिक त्रासदीपूर्ण है कि ऐसा देश के मुखिया यानी प्रधानमंत्री के हाथों हो रहा है जिसका कर्तव्य संसद की उपयोगिता और प्रासंगिकता को बनाये रखना है। वैसे तो मोदी अपने पहले कार्यकाल के प्रारम्भ (2014) से ही सिर्फ संसद ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण व्यवस्था पर एकछत्र राज करने के उपाय करते आये हैं, लेकिन 2019 में विशाल बहुमत पाने के बाद वे पूर्णतः अनियंत्रित हो गये हैं। मंगलवार को पड़ रहे 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनके कामों की समीक्षा करना इसलिये बेहद प्रासंगिक व आवश्यक बन पड़ता है। यूं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकतंत्र विरोधी कामों की लम्बी फेहरिस्त है और उन पर हमेशा से चर्चा होती भी रही है पर इसी शुक्रवार को समाप्त हुए संसद के मानसून सत्र के दौरान उनके द्वारा अपनाया गया व्यवहार सिर्फ असंसदीय ही नहीं था बल्कि अलोकतांत्रिक भी रहा। पिछले कुछ समय से उनके कामों की देश-विदेश में हो रही आलोचनाओं और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ दो दर्जन से अधिक विपक्षी दलों की होती लामबन्दी से बौखलाये मोदी के तेवर प्रतिपक्ष के प्रति अत्यंत अपमानजनक और गरिमाहीन होते जा रहे हैं। संसद से चुन-चुनकर मुखर विपक्षी सदस्यों को निकाल बाहर करना, सवालों के जवाबों से कन्नी काटना, व्यवस्था में मनचाहा बदलाव आदि हाल के ऐसे मामले हैं जो देशवासियों की नागरिक आजादी के लिये बड़े खतरे हैं। इस प्रवृत्ति के खिलाफ देश भर में आवाज उठनी आवश्यक है। जिस मणिपुर की हिंसा और महिलाओं के उत्पीड़न पर पूरा देश हिल उठा है, उसे लेकर मोदी और उनकी सरकार ने जैसा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार दिखाया है, वह अपने आप में बेहद शर्मनाक है। पहले तो संसद में इस पर चर्चा कराने के लिये सरकार तैयार ही नहीं थी। बड़ी मुश्किल से इस पर अविश्वास प्रस्ताव के तहत तीन दिवसीय चर्चा हुई तो मोदी स्वस्थ संसदीय परम्परा को धता बताकर पूरी बहस के दौरान आये ही नहीं। वे वैसे भी संसद में कम ही आते हैं। आये भी उन्होंने ऐसे जवाब नहीं दिये जिनमें विपक्ष के सवालों के तथ्यपरक स्पष्टीकरण हों। उत्तर की बजाय अपने सहयोगियों से नारेबाजी कराई तथा विपक्ष को कोसते रहे। अधिक आपत्तिजनक यह है कि मणिपुर की चर्चा से भागने वाले मोदी मध्यप्रदेश की एक सभा में कहते फिर रहे थे कि सत्ता दल गम्भीर चर्चा करना चाहता था परन्तु विपक्ष भाग (बॉयकॉट) गया। सवाल यह है कि अगर सत्ता दल

नेहरू ने बिना शिकायत शून्य से भारत को शिखर तक पहुंचाया

शकील अख्तर

आंकड़े देखना चाहिए। पूरे तो अगर लिखने लगें तो एक लेख में क्या समाएंगे, पूरी किताब बन जाएंगी। मगर आज 15 अगस्त, 2023 को 76 साल में देश ने कितनी प्रगति की यह समझने के लिए एक आंकड़ा। शिक्षा का। शिक्षा ही है और आधुनिक शिक्षा जो किसी भी देश और समाज को बनाती है। तो आजादी के समय देश में साक्षरता केवल 12 प्रतिशत थी। और महिलाओं की तो केवल 9 प्रतिशत। मतलब 1947 में आजादी के समय 11 में से केवल एक महिला साक्षर थी। देश का सबसे बड़ा दिन 15 अगस्त। हर साल कई तरह से याद किया जाता है। नास्टेलजिया (पुरानी अच्छी यादें) होता है। स्कूल के वह दिन सुबह बहुत जल्दी मुंह अंधेरे निकलकर प्रभात फेरी। पूरे गांव, कस्बे या स्कूल के आसपास, शहर का गांधी, नेहरू, सुभाषचन्द्र बोस, भगतसिंह के जिन्दाबाद नारे लगाते हुए, देशभक्ति के गीत गाते हुए चक्कर और फिर बच्चों का सबसे पसंदीदा प्रोग्राम बूंदी के लड्डू मिलना। वह दिन भी खत्म हुए। मगर अभी भी उत्साह पैदा कर देते हैं। तैयारियां केवल बच्चों की नहीं होती थीं, मां-बाप भी खुश होकर इंतजाम करते थे। सबसे मुश्किल काम होता था। सफेद टेनिस शू (कैनवास) की पालिश करके उसे सुखाना। गीली चॉक या वह सफेद रंग की टिकिया पालिश से जूते गीले हो जाते थे। और अगस्त का महीना बरसात का जूते सूखने का नाम नहीं लेते थे। और कभी किसी साल उस दिन से पहले नए सफेद कैनवास शू मिल जाते थे तो कहना ही क्या! लगता था सबसे अलग आप ही हैं। मगर यह सब भावनात्मक यादें हैं। अच्छी हैं। और बिला नागा हर साल आती हैं। रील सी पूरे दिमाग में घूम जाती है। लेकिन आजादी एक अलग ठोस तत्व है। जिस पर सोचना और बात करना अब लगातार कम होता जा रहा है। 76 साल हो रहे हैं। बहुत बड़ा अरसा। सच है बहुत काम हुआ है। आज की सरकार माने या न माने देश इन 76 सालों में बहुत आगे बढ़ा है। यह प्रगति इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है कि शून्य से शुरू हुई थी। अभी भी वे लोग हैं जो 1947 में किशोर हो रहे थे। उन्हें यादें हैं कि कितने कम स्कूल थे। अस्पताल थे। नौकरियां तो बहुत लिमिटेड हुआ करती थीं। मगर नेहरू ने वाकई चमत्कार किया। नकारात्मक बातें करने के बदले जैसा आज की सरकार करती है देश को बनाने में लग गए। कभी नहीं कहा कि अंग्रेजों ने क्या छोड़ा। जैसा आज हर बात में कहा जाता है कि सत्तर सालों में क्या हुआ वैसा कभी नहीं कहा कि पहले क्या हुआ। सही है अगर वही करते रहते तो उन्हें भी बिना एम्स बनाए झूठ बोलना पड़ता कि दिल्ली में बना दिया। कह दिया कि दरभंगा में बना दिया। लाख बिहार सरकार कहती रहे, दरभंगा की जनता कहती रहे कि नहीं है यहां एम्स, मगर क्या फर्क पड़ता है। कह दिया। और भक्त लोग मान गए। कईयों ने तो आंकड़े भी दे दिए कि इतने लोग इलाज करवा कर ठीक होकर आ भी गए। नेहरू ने काम किया। आज बातें की जा रही हैं। महाराष्ट्र की कलावती के लिए कहदिया कि राहुल ने कुछ नहीं किया। भक्त मान गए। कांग्रेस कहती रहे। खुद कलावती कहती रहे कि राहुल ने पूरी मदद की। मगर मीडिया लिख चुका कि भाजपा सरकार ने की थी। पहले पत्रकार फैक्ट फाइंडिंग करते थे। दरभंगा जाकर वहां से लिखते थे कि नहीं है एम्स। कलावती से मिलकर लिखते थे कि उसकी मदद भाजपा सरकार ने नहीं राहुल ने की है। मगर आज जो सरकार कह दे वही सही। नाले के गैस से चाय बनना आविष्कार है। रडार बादलों में काम नहीं करता नया तथ्य है। कबीर, गुरु नानक और गोरखनाथ का समकालीन होना नया इतिहास है। और भारत 1947 में नहीं 2014 में आजाद हुआ नई खोज है। ऐसी बहुत सारी बातें होंगी। खुद को महान साबित करने के लिए ऐसी काल्पनिक बातों की कोई सीमा नहीं है। कभी मनोवैज्ञानिक इस पर लिखेंगे। आज तो किसी की हिम्मत नहीं है। मगर नेहरू इन चक्करों में नहीं पड़े। उन्होंने देश की प्राथमिकताएं तय कीं और उनमें लग गए। आराम हराम है का नारा नेहरू ने ही दिया था। 16 घंटे काम वे ही करते थे। और झूठ देश को कितना नुकसान पहुंचा सकता है। अंदर से खोखला कर सकता है वे जानते थे इसीलिए अफवाहें देश की सबसे बड़ी दुश्मन हैं का आह्वान किया था। नेहरू भी चाहते तो झूठ और अफवाहों के जरिए अपनी सरकार चला सकते थे। आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने का बड़ा आभा मंडल उनके पास था। विपक्ष कहीं था ही नहीं। संघ (जिसकी राजनीतिक शाखा आज भाजपा है) आज जो नेहरू की सबसे ज्यादा आलोचना करता है, उस समय आजादी के आंदोलन में शामिल नहीं होने के कारण जनता में बहिष्कृत था। नेहरू के पास सिर्फ चुनाव का ही नहीं आजादी के आंदोलन से निकला एक बड़ा जन समर्थन था। जैसी चाहे कहानियां बना सकते थे। मगर उन्होंने देश का ठोस निर्माण करने का फैसला किया। कुछ आंकड़े देखना चाहिए। पूरे तो अगर लिखने लगें तो एक लेख में क्या समाएंगे, पूरी किताब बन जाएंगी। मगर आज 15 अगस्त, 2023 को 76 साल में देश ने कितनी प्रगति की यह समझने के लिए एक आंकड़ा। शिक्षा का। शिक्षा ही है और आधुनिक शिक्षा जो किसी भी देश और समाज को बनाती है। तो आजादी के समय देश में साक्षरता केवल 12 प्रतिशत थी। और महिलाओं की तो केवल 9 प्रतिशत। मतलब 1947 में आजादी के समय 11 में से केवल एक महिला साक्षर थी। तो आप समझ सकते हैं कि नेहरू ने किस तरह जीरो से शुरूआत की। अगर वे भी बातें बनाते रहते तो देश की साक्षरता दर आज 12 प्रतिशत से 82 प्रतिशत नहीं होती। महिला साक्षरता 9 प्रतिशत से 77 प्रतिशत तक नहीं पहुंचती। सबसे बड़ा काम था लोगों को पढ़ाना लिखाना। स्कूल थे नहीं। बहुत सारे लेखकों ने, अन्य लोगों ने लिखा है कि कैसे वे मीलों दूर पढ़ने जाया करते थे। उस समय पूरे देश में करीब एक लाख ही स्कूल थे। जिनमें से भी अधिकांश शहरों में। गांवों में तो स्कूल थे ही नहीं। नेहरू ने सबसे ज्यादा ध्यान इस पर दिया। स्कूल खोलने से लेकर टीचर ट्रेनिंग तक पर। केवल शिक्षा ही पर्याप्त नहीं थी अच्छी शिक्षा भी जरूरी थी। और ऐसे ही उच्च शिक्षा भी। नेहरू इसका महत्व कितना समझते थे यह इसी से समझ सकते हैं कि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (यूजीसी) 1949 में ही बना दिया था। आजादी के समय देश में केवल 27 ही विश्वविद्यालय थे। नेहरू, गांधी, सुभाष चन्द्र बोस सबको पढ़ने के लिए विदेश जाना पड़ता था। और आज विदेशों में हर बड़े विश्वविद्यालय में भारतीय पढ़ा रहे हैं।

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
एवं रक्षाबन्धन
कि हार्दिक शुभकामनायें
राहुल तिवारी
अध्यक्ष
साधन सहकारी समिति लि.
बँधवा न्याय पंचायत, मेजा-प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
U-CMO/2013/37
सहारा डाइग्नोस्टिक्स
मिर्जापुर रोड मेजा रोड चौराहा, प्रयागराज मो0: 9936706196, 9651544804
ULTRASOUND REPORT
24 HOURS SERVICE AVAILABLE

76 वीं स्वतंत्रता दिवस की
समस्त क्षेत्रवासियों व प्रिय ग्राहकों
हार्दिक शुभकामनाएं
प्रतिष्ठान
श्री शारदा एजेन्सी
सी एण्ड एफ सीमेंट
डालमिया सीमेंट
प्रो. जयशंकर शुक्ला
गारापुर, सहसों, प्रयागराज

76 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर
ए. एन. तिवारी ग्रुप ऑफ एजूकेशन की ओर से
हार्दिक शुभकामनाएं
ए. एन. तिवारी ग्रुप ऑफ एजूकेशन
उपक्रम
ए.एन. तिवारी लॉ कालेज
ए.एन. तिवारी आई टी आई
महर्षि शांडिल्य पब्लिक स्कूल
गुलालपुर, हेतापट्टी, सहसों, प्रयागराज
शिव प्रकाश तिवारी
प्रबन्धक

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
टेरा कोटा वर्क्स
प्रो. विमलेश प्रजापति
हमारे यहाँ सभी प्रकार के मिट्टी के बर्तन बनाया जाता है। छोटी व बड़ी गिलास (चाय व लच्छी) के लिए और भी कई प्रकार के बर्तन बनाये जाते हैं।
गोनौरा, रामनगर, मेजा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दुर्गावती इण्टरनेशनल स्कूल एवं कालेज
सुशील मिश्र
चेयरमैन
डा. स्वतन्त्र मिश्र
प्रबन्धक
गोसौरा कला, मेजा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अत्याधुनिक संसाधनो से युक्त यमुना पार एक मात्र अस्पताल एवं इंग्लिश मीडियम स्कूल
अमर ज्योति नर्सिंग होम एण्ड स्कूल
24 घण्टे इमरजेन्सी एवं एम्बूलेंस सुविधा उपलब्ध
मिर्जापुर रोड, घोड़ेडीह, भीरपुर एवं पचदेवरा, करछना, प्रयागराज
डा. आर. पी. पाण्डेय
एम.एस. आर्थो निदेशक
डा. के. के. शुक्ला
प्रबन्धक
Mob.: 8874201033,34,37, 8004111687

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अत्याधुनिक संसाधनो से युक्त यमुना पार एक मात्र अस्पताल एवं इंग्लिश मीडियम स्कूल
अमर ज्योति नर्सिंग होम एण्ड स्कूल
24 घण्टे इमरजेन्सी एवं एम्बूलेंस सुविधा उपलब्ध
मिर्जापुर रोड, घोड़ेडीह, भीरपुर एवं पचदेवरा, करछना, प्रयागराज
डा. आर. पी. पाण्डेय
एम.एस. आर्थो निदेशक
डा. के. के. शुक्ला
प्रबन्धक
Mob.: 8874201033,34,37, 8004111687

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सिपाही लाल प्रजापति निदेशक /प्रो.
जय बजरंग मिष्ठान
उच्च कोटि के मिठाइयों के निर्माता
शुद्ध जलपान की व्यवस्था उपलब्ध
पटेल मार्केट, मेजा रोड, कोहड़ार मार्ग, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पवन मिश्रा निदेशक
राजेश्वर मिश्रा निदेशक
पंकज शुक्ला (प्रबन्धक)
जी एस आर एम स्टोन वर्क्स
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त क्षेत्र वासियों एवं नगर वासियों को स्वतंत्रता दिवस हार्दिक शुभकामनाएं

प्रयाग मीडिया के बैनर तले टेक्निकल एजूकेशन के बेरोजगार नवयुवकों पर आधारित हिन्दी फीचर फिल्म अवसान के सन् 2020 ई0 में सकुशल रिलीज होने पर फिल्म के निर्माता (प्रोड्यूसर) प्रयागराज जनपद के यमुनापर क्षेत्र के विकास खण्ड-उरुवा अन्तर्गत ग्राम पंचायत कठौली निवासी तथा विगत 3 पंच वर्षीय कार्यकाल से गरीबो के साथ कदम से कदम मिलाकर उनके सुख-दुख में साथ देते हुए बतौर ग्राम प्रधान गाँव का प्रतिनिधित्व करने वाले महान व्यक्तित्व हरिशंकर शर्मा (पप्पू टिकैत भैया जी) को काशी फिल्म महोत्सव वनारस में भारत सरकार के मंत्री अनुराग ठाकुर एवं फिल्म जगत के मशहूर एवं जानी मानी हस्तियां सांसद रवी किशन, हेमा मालिनी, राजू श्रीवास्तव एवं सतीश कौशिक द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

गाँव का सर्वांगीण विकास करना ही हमारी प्राथमिकता

विकास पुरुष हरिशंकर शर्मा (पप्पू टिकैत) भैया जी के अथक प्रयास से जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्राम पंचायत कठौली में निर्माणाधीन 3-4 करोड़ के प्रोजेक्ट नलकूप योजना से 7 किमी. की एरिया में आने वाले 17 मजरों के ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जल्द ही मिलेगी मुक्ति घर-घर पहुँचेगा शुद्ध मिनरल वाटर ग्राम पंचायत कठौली साबित होगा एक उत्तम आर्दश ग्राम पंचायत। (गाँव का विकास ही संकल्प है)

हरिशंकर शर्मा (पप्पू टिकैत भैया जी)
ग्राम प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत कठौली
विकास खण्ड-उरुवा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सम्पूर्ण सुविधाओं से लैश इलाके का चर्चित मसहूर अस्पताल
लक्ष्मी पाली क्लीनिक एवं अस्पताल
24 घण्टे आपात काल सेवा उपलब्ध
मेजा रोड, सिरसा मार्ग खानपुर बरी मेजा, प्रयागराज
डा. सन्तोष पटेल
निदेशक

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
चाँद मोहम्मद उर्फ चंदू
जिला अध्यक्ष
पसमांडा मुस्लिम (संघ भाजपा)
निवास-नगर पंचायत भारतगंज, मेजा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पवन मिश्रा निदेशक
राजेश्वर मिश्रा निदेशक
अतुल पाण्डेय (प्रबन्धक)
राजेश्वर इन्फ्राहाइट्स प्रा. लि.
कपुरिया, मेजा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आधुनिक सुविधाओं से युक्त यमुनापार का एक मात्र मार्डन अस्पताल
भारद्वाज हास्पिटल
24 घण्टे आपात कालीन एम्बुलेंस सुविधा एवं बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध
डा. डी.के. पाण्डेय (बब्लू सर)
बी.एच.एम.एस.
निदेशक
Mob.: 9450807093, 8705605109
भीरपुर, पुलिस चौकी के समीप,
इलाहाबाद -मिर्जापुर मार्ग, करछना, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जगत बहादुर पटेल
पूर्व ब्लाक प्रमुख एवं जिला पंचायत सदस्य
विकास खण्ड -उरुवा, प्रयागराज
निदेशक/प्रो.
माँ दुर्गा ईंट उद्योग (एमबीपी)
ग्राम पंचायत बेदौली उरुवा, मेजा, प्रयागराज

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तिरंगे को शत-शत नमन
ये माँ भरोसा रखना तुम अपनी संतानो पर,
हम तिरंगा गाड़ देंगे खुले आसमानों पर
प्रेमशंकर सिंह
वरिष्ठ भाजपा नेता एवं अध्यक्ष
राष्ट्रीय सैनिक संस्थान पूर्वी उ.प्र.
गिरिराज चैरिटेबल ट्रस्ट
निवास-ग्राम पंचायत, छतवा, मेजा, प्रयागराज

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अभिषेक पाण्डेय
निदेशक
प्रयाग स्टोन वर्क्स
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक मात्र अस्पताल
जीवन रक्षा अस्पताल एवं अल्ट्रासाउण्ड सेन्टर
24 घण्टे आपात कालीन सेवा उपलब्ध
डा.वी. पी. मिश्रा बी.ए.एम.एस.
डा. पी. के. यादव बी.ए.एम.एस.
मेजा रोड, मेजा-कोरांव मार्ग, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती मंजू देवी प्रजापति
ग्राम प्रधान
अशोक कुमार प्रजापति
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत खौर वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश तिवारी
ए. डी. ओ. आई. एस. बी./ग्रा.वि.अ.
वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती प्रतिमा यादव
क्षेत्र पंचायत सदस्य
वार्ड नं. 3 मेजा खास
अजय यादव
बीडीसी प्रतिनिधि
वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सम्पूर्ण सुविधाओं से सुसज्जित मेजा रोड एक मात्र अस्पताल
गौरी देवी अस्पताल
24 घण्टे इमरजेन्सी सुविधा एवं अल्ट्रासाउण्ड सुविधा उपलब्ध
Mob.No.9936706186
मेजा रोड, कोल्ड स्टोर के बगल कोहड़ार रोड, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हरि विलास यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत दरी
वि. ख. मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नमस्ते यादव (जितेन्द्र भाई जी)
महासचिव, उ.प्र. कांग्रेस कमेटी
ओबीसी विभाग 259 विधान सभा मेजा
निवास-ग्राम पंचायत दरी (अहिरन का पूरा) मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
काजी मु. मुअज्जम (पप्पू भाई जी)
ग्राम प्रधान/पूर्व जिला पंचायत सदस्य मेजा द्वितीय वार्ड नं.-63
ग्राम पंचायत -लूतर
वि. ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती गुड्डन देवी शुक्ला
ग्राम प्रधान
शिव कुमार शुक्ला
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत सिड़खिड़ी वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सुनीता देवी यादव
ग्राम प्रधान
मुरारी यादव
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत कुर्की वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सुषमा देवी विंद
ग्राम प्रधान
शैलेन्द्र कुमार विंद
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत बिसहिजन खुर्द, वि.ख.मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सोनकली यादव
ग्राम प्रधान
विजय शंकर यादव
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत चिलबिला वि.ख.- उरुवा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गाँव का विकास ही मूल उद्देश्य
रामधारी उर्फ कल्लू विंद
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत मेड़रा, वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ग्रा. पं.- चांद खम्हरिया विकास खण्ड-मेजा प्रयागराज
धर्मराज सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
राजीव कुमार मिश्रा
ग्राम पंचायत अधिकारी

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रामराज यादव
मंत्री जी
ग्राम पंचायत -करदहा
वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विजय बहादुर सिंह
ग्राम प्रधान
गाँव के सर्वांगीण विकास ही प्राथमिकता
ग्राम पंचायत तिगजा, वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती ऊषा देवी सिंह
ग्राम प्रधान
अजीत कुमार सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
गाँव के विकास को नया आयाम देना प्राथमिकता
ग्राम पंचायत पटेहरा, वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गाँव के विकास को नई ऊचाईयों तक पहुँचाना ही जिम्मेदारी
राम जी यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भुरका वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती अर्चना सिंह
सी.डी.पी.ओ.
श्रीमती सरस्वती मैडम जी
सहायक सी.डी.पी.ओ.
उरुवा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Indane
श्रीमती सरिता राय
प्रोप.
पी. के. राय
निदेशक
मातेश्वरी इण्डेन सर्विस
सिरसा, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती सरिता सिंह
खण्ड विकास अधिकारी
विकास खण्ड- मेजा
प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्रीमती गायत्री मिश्रा
ब्लाक प्रमुख
गंगा प्रसाद मिश्रा
प्रमुख प्रतिनिधि
वि.ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कैलाश सिंह
बी.ई.ओ.
डा० गोपाल कृष्ण यादव
ए.आर.पी.
बी आर सी-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
संजय शुक्ला
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड- मेजा
प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
संजय विश्वकर्मा
खाद्य अधिकारी
आपूर्ति कार्यालय
मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज यादव
ग्राम पंचायत अधिकारी
ग्राम पंचायत - शाहपुर कला
वि. ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विकास कुमार जायसवाल
ग्राम पंचायत अधिकारी
कुर्की जमुँआ मेड़रा
वि. ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गाँव का विकास ही जिम्मेदारी
अर्जुन सिंह
ग्राम पंचायत अधिकारी
वि. ख.-मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभम कंट्रक्सन एण्ड स्टोन वर्क्स
कुन्दन अग्रवाल
शुभम अग्रवाल
निदेशक
विशाल शुक्ला
प्रबन्धक
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बुन्देल खण्ड स्टोन इंडस्ट्रीज एण्ड प्रकाश दीप एसोसिएट
दीपक चौरसिया
प्रकाश गोयल
निदेशक
अनूप द्विवेदी
अजीत द्विवेदी
प्रबन्धक
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रयाग इन्फ्रावेंचर्स
पंकज गुप्ता
निदेशक
प्रदीप मिश्रा
प्रबन्धक
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
आदित्य इन्फ्रास्ट्रक्चर
आशुतोष पाण्डेय
पवन तिवारी
निदेशक
दिनेश शुक्ला
प्रबन्धक
भटौती, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
संत कबीर स्टोन क्रेशर
आलोक तिवारी
अतुल तिवारी (तिवारी बन्धु)
निदेशक
सुरेश पाल
प्रबन्धक
सींकी कला, मेजा, प्रयागराज

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सी एस इन्फ्रा कांस्ट्रक्शन लि.
भटौती, मेजा, प्रयागराज
विनोद सिंह
निदेशक/प्रबंधक
संदीप सिंह
सहायक प्रबंधक

समस्त नगरवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
फूल चन्द्र यादव
ग्राम पंचायत अधिकारी
वि.ख.- मेजा, प्रयागराज

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

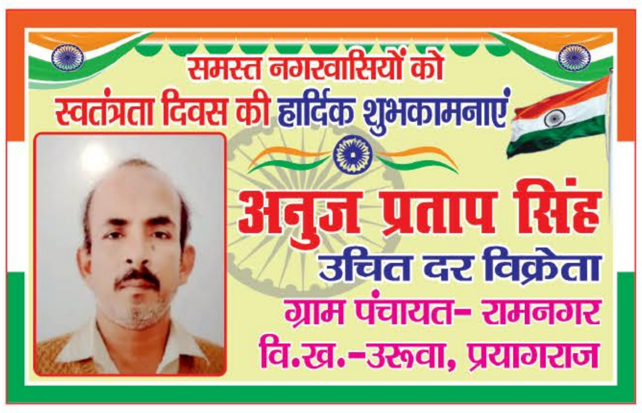

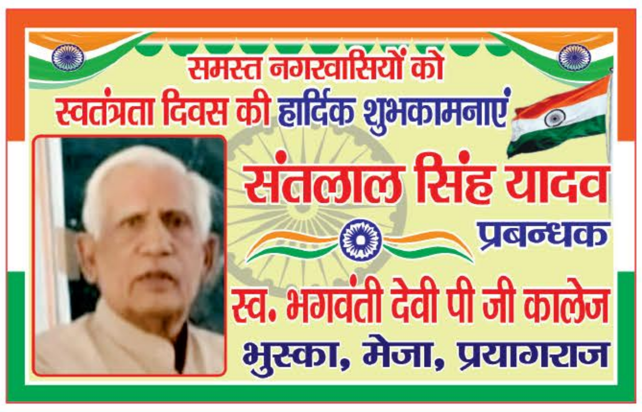

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तत्वाधान में तिरंगा यात्रा का आयोजन

कुंडा कोतवाली पुलिस ने निकाली तिरंगा यात्रा

तिरंगा अभियान का शुभारम्भ करते प्राचार्य प्रो शिवम श्रीवास्तव।

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। मदन मोहन मालवीय पी जी कालेज कालाकांकर एवं नेहरू युवा केंद्र कालाकांकर द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसमे छात्र छात्राओं ने ब्लॉक मुख्यालय कालाकांकर मे स्थापित शिला फलकम पर पंच प्रण की शपथ ली रैली का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो शिवम श्रीवास्तव ने किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक प्रो रामकरन यादव, भूपेंश सिंह, प्रो इंदुरेखा सिंह, प्रो सूर्यभान सिंह, प्रो प्रदीप सिंह, प्रो विनीता सिंह, प्रो रेखा सिंह, प्रो शिव भूषण, डा0 सृष्टी, डा0 ज्योति, सर्वेश सिंह, डा0 प्रीति सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, अब्दुल रज्जाक, अफसार अहमद,विजय कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हेमवती नंदन बहुगुणा पी जी कालेज लालगंज प्रतापगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में हर घर तिरंगा, मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम बड़ी गर्मजोशी के साथ आयोजित किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों एवं छात्रों को पंच प्रण की शपथ दिलाते हुए शहीदों को याद किया गया। छात्रों ने हर घर तिरंगा रैली निकाली, जिससे समाज के लोगों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा को आगे बढ़ाते हुए कालेज के गौरव प्रोफेसर डॉ0 शैलेन्द्र कुमार मिश्र-प्राचार्य ने हर घर तिरंगा, मेरी माटी मेरा देश, गुमनाम शहीदों के बारे में विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस स्वयंसेवक-आदर्श पांडे ने किया रैली में सभी प्राध्यापक प्रो0 आलोक दुबे, प्रो0 राजेन्द्र मिश्र, दिनेश त्रिपाठी, डॉ सीमा त्रिपाठी, डॉ निशांत पांडे, डॉ वाचस्पति मिश्र, डॉ अभिषेक पांडे, डॉ जितेंद्र, डॉ शैलेन्द्र सरोज, डॉ संतोष मिश्र, डॉ श्याम नारायण त्रिपाठी, डॉ गंगाधर मिश्र, आदि समस्त स्टॉप छात्र मौजूद रहे। कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले मनाया गया। उक्त सूचना जनसूचनाधिकारी डॉ फणीन्द्र नारायण मिश्र ने दी ।

मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के साथ हेमवती नंदन बहुगुणा पीजी के स्टाफगण।

आजादी के अमृत महोत्सव समारोह के अंतर्गत मेरा माटी मेरा देश हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को कुंडा कोतवाल कमलेश पाल व इंस्पेक्टर श्याम प्रसाद पांडेय के नेतृत्व मे पैदल तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमे कुंडा नगर पंचायत चेयरमैन शिव कुमार त्रिपाठी व समाज सेवी साके सिंह व टीसीएस कोचिंग के डारेक्टर शक्ति ओझा के साथ सैकड़ो ब्यापारीगण व कोचिंग के बच्चे शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में कुंडा कोतवाली से भगवन तिराहा, मेंन- चैराहा, कबरियागंज, वैष्णव कालोनी, तिलौरी मोड़ होते हुए वापस कोतवाली पहुंची तिरंगा पैदल यात्रा मे बीच बीच में जय हिन्द-जय भारत के गगन भेदी नारे से पुरा क्षेत्र गुंजयमान दिखाई दे रहा था। लोगों में पैदल तिरंगा यात्रा में गजब का उत्साह दिखाई दे रहा था। तिरंगा पैदल यात्रा के दौरान सभी दुकानदार सभी का उत्साहवर्धन करते दिखाई दे रहे थे। समुचा नगर पंचायत मे तिरंगा ही तिरंगा दिखाई दे रहा था।

जनपदीय चयन ट्रायल्स का आयोजन 19 अगस्त को

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता राज ने बताया है कि जिला खेल कार्यालय प्रतापगढ़ के द्वारा 19 अगस्त 2023 को पूर्वान्ह 10 बजे सिविल सर्विसेज जनपदीय चयन ट्रायल्स का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ किया जायेगा जिसमें विभिन्न खेलों क्रमशः टेनिस, वालीबाल, तैराकी, बास्केटबाल, बैडमिन्टन, टेबुल-टेनिस, कबड्डी, भारोत्तोलन एण्ड बेस्ट फिजिक, एथलेक्टिस, फुटबाल, कैरम, ब्रिज, कुश्ती, पावरलिफ्टिंग, क्रिकेट एवं हाकी सम्मिलित है। चयन ट्रायल में भाग लेने हेतु विभाग द्वारा खिलाड़ी को आई0डी0 नम्बर, जन्मतिथि, विभाग का नाम जहां कार्यरत है, सेवा में आने की तिथि व वर्तमान तैनाती तिथि, सेवा का प्रकार (नियमित/दैनिक वेतन भोगी), विभाग पूर्ण सरकारी विभाग है अथवा आटोनाम्स/आगेर्नाइजेशन की पूर्ण जानकारी सहित भेजें। खिलाड़ी को फिजिकल टेस्ट में कम से कम 14 अंक प्राप्त करने होगें, इसके पश्चात ही वह खिलाड़ी स्किल टेस्ट के लिये पात्र होगा। खेलों में पुलिस विभाग व निगम तथा परिषद के अधिकारी/कर्मचारी को छोड़कर प्रदेश सरकार के अन्य सभी विभागों के अधिकारी/कर्मचारी भाग ले सकते हैं।

कम्पनी बाग से स्टेडियम तक निकाली गयी अमृत कलश शोभा यात्रा

आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मेरी माटी-मेरा देश अभियान के सन्दर्भ में आज नगर स्थित कम्पनी बाग से एक अमृत कलश शोभा यात्रा जनपद प्रतापगढ़ के अमर बलिदानियों के सम्मान में आयोजित की गयी जो मीरा भवन चैराहा होते हुये स्टेडियम में सभा के रूप में परिवर्तित हुई।

अमृत कलश शोभा यात्रा में प्रतापगढ़ के सांसद संगम लाल गुप्ता, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेल्हा हरि प्रताप सिंह, जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा तथा जागरण परिवार के प्रमुख रमेश यादव के नेतृत्व में निकाली गयी। अमृत कलश शोभा यात्रा में भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा, भाजपा का वरिष्ठ नेता शिव प्रकाश मिश्र सेनानी, समाजसेवी रोशन लाल ऊमरवैश्य, पर्यावरण सेना के अजय क्रान्तिकारी, ओम प्रकाश पाण्डेय, मीडिया प्रभारी राघवेन्द्र शुक्ल, लायंस क्लब हर्ष से राजेन्द्र बहादुर सिंह, श्याम शकर श्यामजी, आशुतोष त्रिपाठी, क्षितिज श्रीवास्तव, लायंस क्लब शक्ति की अध्यक्ष अनीता पाण्डेय, लायन्स क्लब गौरव से पीयूषकान्त शर्मा, ज्योतिषाचार्य पंडित आलोक मिश्र, ट्रान्सपोर्ट के अध्यक्ष विजय सिंह, व्यापारी, शिक्षक, अधिवक्ता, साहित्यकार, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, स्कूल कालेज के शिक्षक/शिक्षिकायें, छात्र-छात्रायें एवं नगर के गणमान्य व्यक्ति, मीडिया प्रतिनिधि आदि ने भाग लिया। अमृत कलश शोभा यात्रा की समाप्ति के उपरान्त स्टेडियम में सांसद संगम लाल गुप्ता, विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, जिलाधिकारी प्रकाश चन्द्र श्रीवास्तव, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह आदि ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी जनमानस का आवाहन किया कि आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत सभी नागरिकगण अपने-अपने घरों पर तिरंगा (राष्ट्रीय ध्वज) लगाएं।

घर जमाई को ससुराल में कभी नहीं मिलता सम्मान

सती प्रसंग पर रोचक वर्णन किया आचार्य कृष्ण कुमार मिश्र व्यास ने

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। शहर के स्टेशन रोड पर शिवम लाज में चल रही भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक आचार्य कृष्ण कुमार मिश्र व्यास ने सती प्रसंग का रोचक वर्णन करते हुए कहा कि राजा दक्ष प्रजापति के 60 पुत्रियों में एक पुत्री सती का विवाह भोले शंकर भगवान से हुआ था लेकिन अहंकार का डूबा दक्ष प्रजापति चाहता था कि भगवान शंकर उनके घर में घर जमाई के रुप़ में रहें।

उन्होंने कहा कि भोले शंकर ने कैलाश पर्वत पर जाने का निर्णय किया और उनके साथ उनकी पत्नी सती (पार्वती) भी जाने को तैयार हुई तो राजा दक्ष ने बहुत सारी अडचनें डाला और भगवान भोले शंकर का अपमान भी किया लेकिन भगवान भोले शंकर सती को लेकर चले गये। व्यास जी ने कहा कि घर जमाई को कभी ससुराल में सम्मान नहीं मिलता है इसलिये कभी भी पत्नी को लेकर ससुराल में नहीं रहना चाहिये। इसके अलावा ध्रुव प्रसंग में ध्रुव को भगवान की प्राप्ति की भी कथा सुनाई। इस संगीतमयी कथा में व्यास जी का सहयोग देने वालों में पंडित राम प्रकाश पाण्डेय शास्त्री व पंडित विनोद पाण्डेय शास्त्री, पंडित जमुना प्रसाद व रविशंकर मिश्र रहे। कथा में अवकाश प्राप्त एबीएसए श्रीराम मिश्र, तिलक कालेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार तिवारी, अवकाश प्राप्त बैंक कर्मी गिरजाशंकर मिश्र के अलावा अमरनाथ त्रिपाठी, डा0 संजय मिश्रा, अशोक कुमार मिश्रा, डा0 अनुराग मिश्रा के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। यजमान आशा मिश्रा के परिजन कंचन मिश्रा, नीलम मिश्रा, श्वेता मिश्रा, दीपिका मिश्रा आदि ने व्यवस्था में सक्रियता दिखाई।

भागवत कथा कहते आचार्य कृष्ण कुमार मिश्र व्यास।

सांस्कृतिक दृष्टि से सशक्त और समृद्ध राष्ट्रः डा0 सौरभ

पीबीपीजी कालेज में अखण्ड भारत संकल्प दिवस का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रतापगढ़ के महाविद्यालयीन विद्यार्थी कार्य विभाग द्वारा अखंड भारत संकल्प दिवस का आयोजन प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विभाग प्रचार प्रमुख डॉ सौरभ पांडेय रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने की।

इस अवसर पर जिला संघचालक से चिंतामणि द्विवेदी उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता डॉ सौरभ पांडेय ने कहा कि भारत सांस्कृतिक दृष्टि से सशक्त और समृद्ध राष्ट्र है द्यएक समय था जब भारत की सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमा विश्व के विस्तृत भूभाग में फैली थी। परिस्थितियों के चलते भौगोलिक सीमा में परिवर्तन हुआ। धीरे-धीरे विदेशी आक्रांताओं के प्रभाव के कारण अनेक प्रकार के सामाजिक परिवर्तन हुएद्य समय परिवर्तन के साथ हम आत्मविस्मृति में चले गए और अपने गौरवशाली अतीत को भूल गए। आज का दिन ह्लस्वह्ल के जागरण और उसके संकल्प का दिवस है। आज इस बात का स्मरण करें कि हमारा एक गौरवशाली, वीरता से भरा हुआ, समृद्ध, स्वाभिमान युक्त, पूरे विश्व को दिशा देने वाला इतिहास है। भारत में 1947 को स्वाधीनता प्राप्त होने के पश्चात 75 वर्षों की यात्रा में देश का गौरव और आत्मविश्वास बढ़ा है। आज सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से भारत पूरे विश्व में सशक्त राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान बनाने में सफल हुआ है। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारतवर्ष को धीरे-धीरे कई बार विखंडित किया गया। 1947 में देश का विभाजन भारत और पाकिस्तान के रूप में किया गया और प्रयास किया गया कि भारत पूरी तरह से विखंडित हो जाए लेकिन सरदार पटेल ने अपने बुद्धिमता का परिचय देते हुए भारत को वर्तमान स्वरूप प्रदान करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। जिला संघचालक चिंतामणि द्विवेदी ने कहा कि भारत हमारी माता है और यहां पर रहने वाले सभी लोग हमारे बंधु हैं। हम सबको राष्ट्र की एकता अखंडता और संप्रभुता के लिए अपना सर्वस्व अर्पित करने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर आरंभ में अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सह महाविद्यालयीन विद्यार्थी प्रमुख शिवम पांडेय ने किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह, प्रांत सह मंत्री सुधांशु रंजन मिश्र, कोषाध्यक्ष डॉ अजीत प्रताप सिंह, विभाग संगठन मंत्री अमित देव, सह नगर कार्यवाह सर्वोत्तम, डॉ चेत प्रकाश पांडेय, डॉक्टर ब्रह्मानंद प्रताप सिंह आदि उपस्थित रहे।

पीबीपीजी कालेज में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

प्रतापगढ़ शहर को नगर पालिका ने तिरंगे से सजाया

पार्कों और चौराहों पर तिरंगा लहराया

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। घर-घर तिरंगा लगाने के अभियान के तहत नगर पालिका द्वारा शहर के सभी पार्कों, सड़क के किनारे खंभों पर तिरंगा लहराने के लिये नगर पालिका कर्मचारी आज दिन भर जुटे रहे। नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह ने 13 अगस्त को ही सभी वार्डों के सभासदों को 200 से 500 तिरंगा अपने-अपने वार्डों में लगाने के लिये मुहैया कराया था।

आज नगर पालिका के कर्मचारी शहर के सभी चैराहों पर लगी मूर्तियों की धुलाई, सफाई करने के बाद उस पर तिरंगा फहराया। इसके अलावा मुख्य सड़कों के किनारे लगे खंभों पर तिरंगा लगा दिया गया है। इस तरह पूरे शहर को तिरंगामय करने का प्रयास किया गया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष हरिप्रताप सिंह न अधिशाषी अधिकारी राम अचल कुरील के निर्देशन में सोमवार की रात पूरे शहर की सफाई कर सभी सार्वजनिक स्थानों पर चूने का छिड़काव मंगलवार की सुबह किया जाएगा।

नगर के चौराहों पर तिरंगा लगाते नगर पालिका कर्मी।।

देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में करें सहयोगः सांसद

राष्ट्रीय संघटक ने दिलाया पंचप्रण का संकल्प

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ सांसद संगम लाल गुप्ता ने युवाओं का आवाहन किया कि वे अमर बलिदानियों के त्याग से प्रेरणा लेकर देश की एकता व अखंडता की मजबूत बनाने में अपना सहयोग दें। सांसद आज नेहरू युवा केंद्र द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव-मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत राजकीय आईटीआई प्रतापगढ़ में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

समारोह में सर्वप्रथम संगम लाल गुप्ता ने भाजपा के राष्ट्रीय संघठक बी सतीश भाई, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्रा सदर विधायक राजेंद्र मौर्य के साथ परिसर में वृक्षारोपण किया तथा अमर बलिदानियों के घर आंगन से लाई गई मिट्टी को पौधो की जड़ों में डाला। इस अवसर पर राष्ट्रीय संघठक ने उपस्थित जन समूह को पंच प्रण विकसित भारत, गुलामी को हर सोच से मुक्ति, विरासत पर गर्व करना ,एकता और एक जुटता, तथा नागरिक कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प दिलाया, इस अवसर पर सांसद, राष्ट्रीय संघठक, जिला अध्यक्ष, सदर विधायक ने अमर बलदानियों के आंगन की घर आंगन से लाई गई मिट्टी को अमृत कलश में डाला। उपनिदेशक समर बहादुर सिंह, समाजसेवी रोशन लाल उमर वैश्य, आईटीआई के प्राचार्य बीबी सिंह शासकीय अधिवक्ता विवेक उपाध्याय पूर्व सहायक निदेशक सूचना आर0बी0 सिंह, पर्यावरण सेना के प्रमुख अजय क्रांतिकारी जिला युवा कल्याण अधिकारी के के सिंह परमानंद मिश्र एडवोकेट नेहरू युवा केंद्र के लेखाकार विनय मिश्र ग्राम प्रधान रायचनुपुर धर्मेंद्र प्रताप सिंह, दीपक राज्य प्रशिक्षक विश्वजीत सिंह आईटीआई के शशांक शुक्ला कर्मराज सिंह, अभिषेक पटेल उर्मिला पाल तथा आईटीआई से तमाम छात्र-छात्राएं अमर बलिदानियों के घर आंगन से लाई गई मिट्टी का अमृत कलश में डाला। प्रारंभ में नेहरू युवा केंद्र के उपनिदेशक समर बहादुर सिंह ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा आईटीआई के प्रचार्य बी0बी0 सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का संचालक शासकीय अधिवक्ता विवेक उपाध्याय व नेहरू युवा केंद्र लेखाकार विनय कुमार मिश्रा ने किया।

पंचप्रण का संकल्प लेते सांसद, विधायक।

कालाकांकर में गांधीजी ने जलाई थी विदेशी बस्त्रो की होली

विदेशी वस्त्र हटाओ खादी अपनाओ का गुंजा था नारा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। देश की आजादी के आंदोलन में प्रतापगढ़ का महत्वपूर्ण योगदान था। जिले के कालाकांकर के राजभवन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा विदेशी बस्त्रो की होली जलाई गई थी।और विदेशी वस्त्र हटाओ खाद अपनाओ का नारा यही गुंजायमान हुआ था। सत्य व अहिंसा के पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 14 नवम्बर 1929 को कालाकांकर से ही अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था और अग्रेजो को देश छोड़ने पर मजबूर कर दिया था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी संयुक्त प्रान्त में खादी के लिए दौरा अभियान के तहत शाहजहांपुर होते हुए प्रतापगढ़ पहुचे थे। और 14 नवम्बर 1929 को कालाकांकर के तत्कालीन राजा अवधेश सिंह के संयोजकत्व में यही बापू ने विदेशी बस्त्रो की होली जलाते हुए इन बस्त्रो के बहिष्कार का नारा देते हुए लोगों को स्वदेशी खादी वस्त्र पहनने के लिए प्रेरित किया था। उस समय कालाकांकर में करीब 60 हजार रुपये की कीमत के विदेशी वस्त्र जलाए गए थे। बापू ने लोगो को विदेशी सामानों के बहिष्कार व स्वदेशी का जज्बा जगाने के लिये विदेशी बस्त्र हटाओ स्वदेशी खड़ी अपनाओ का नारा दिया था। देश मे किसान आंदोलन की शुरूआत 1920 में हो चुकी थी जिसमे प्रतापगढ़ ने अग्रणी भूमिका निभाई थी बिट्रिश हुकूमत से तंग आकर जुल्म के खिलाफ जहां एक ओर किसान आंदोलन चल रहा था वही दूसरी ओर महात्मा गांधी ने विदेशी बस्त्रो के खिलाफ जंग छेड़ दी थी। राष्ट्रपिता गांधी ने 1929 में खादी के लिए एक अभियान चलाया इसके तहत संयुक्त प्रान्त के 29 जिलों में 11 सितम्बर से 24 नवम्बर तक अभियान चलाया गया था।

जिले के लोकतंत्र रक्षक सेनानी आचार्य ओम प्रकाश पांडेय बताते है कि गांधी जी शाहजहां पुर के सीधे कालाकांकर आये थे और यहां तीन दिनों तक रुककर उन्होंने लोगो को विदेशी बस्तुओ के बहिष्कार व स्वदेशी अपनाने का मंत्र दिया था। इसी के तहत 14 नवम्बर 1929 को कालाकांकर राजघराने के तत्कालीन राजा अवधेश सिंह के आयोजन में बापू ने विदेशी बस्त्रो की होली जलाई थी इस दौरान राजघराने के साथ काफी संख्या में जागरूक लोग भी आगे आये थे। कालाकांकर में बापू द्वारा जलाई गई इस होली में ताजपुर की चिमनी का प्रयोग हुआ था। ताजपुर से इसे काफी मशक्कत से कालाकांकर लाया गया था। इस दौरान कालाकांकर नरेश खुद भी खादी के वस्त्र पहने हुए थे। राजा अवधेश सिंह के साथ गांधी जी को देखने के लिए लोगो की भारी भीड़ खादी के कपड़े पहनकर आयी हुई थी। वहां पर काफी मात्रा में विदेशी वस्त्र एकत्र किए गए और चिमनी की आग निकलते ही हर तरफ विदेशी वस्त्र हटाओ खादी अपनाओ के नारे गूँजने लगे थे।

छात्र/छात्राएं 10 अक्टूबर तक करें आनलाइन आवेदन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग समाज कल्याण अधिकारी ने अवगत कराया है कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2023-24 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 9-10) की कक्षाओं से सम्बन्धित पाठ्यक्रमों को मास्टर डाटाबेस तैयार करने, छात्रों द्वारा आनलाइन आवेदन से छात्रवृत्ति वितरण हेतु समय सारिणी जारी की गयी है। उन्होने बताया है कि छात्रवृत्ति हेतु कक्षा 9-10 के छात्र/छात्रायें 10 अगस्त से 10 अक्टूबर तक आनलाइन आवेदन कर सकते है। 14 अगस्त से 17 अक्टूबर तक छात्र/छात्रा द्वारा आनलाईन आवेदन पत्र की हार्डकापी एवं संलग्न अभिलेखों से छात्र/छात्रा के समस्त विवरण का विद्यालय द्वारा मिलान किया जायेगा एवं आनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। 01 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2023 तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा शुद्ध एवं संदेहास्पद डाटा के सम्बन्ध में निर्णय लिया जाना एवं छात्रों को छात्रवृत्ति स्वीकृति करना तथा जनपद स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से शुद्ध डाटा लॉक किया जायेगा।

उन्होने यह भी बताया कि 07 अगस्त से 08 सितम्बर 2023 तक प्रदेश में स्थित मान्यता प्राप्त विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटाबेस में सम्मिलित होने लिये आनलाइन आवेदन करने की कार्यवाही, जिला विद्यालय निरीक्षक के समक्ष समस्त प्रपत्र प्रस्तुत करना, तदोपरान्त जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करना (नवीन संस्थायें) एवं मास्टर डाटा में सम्पूर्ण सूचनायें भरकर/अपलोड करके प्रमाणित किया जायेगा। 08 अगस्त से 15 सितम्बर 2023 तक सम्बन्धित जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा उनकी अधिकारिता में आने वाले समस्त विद्यालयों को मान्यता एवं स्वीकृत सीटों की संख्या की प्रमाणिकता को शत-प्रतिशत आनलाइन डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित किया जायेगा।

कौशाम्बी संदेश

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दबंगों की पिटाई से घायल दलित की इलाज के दौरान मौत

काफी देर तक आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते बुझाते रहे अधिकारी बड़ी मुश्किल के बाद खत्म हुआ जाम

सड़क पर शव रखकर आक्रोशित ग्रामीणों ने घण्टो किया चक्का जाम

अखंड भारत संदेश

चायल/कौशाम्बी। पिपरी थाना क्षेत्र के शेरगढ़ गांव में 9 अगस्त की रात पर्वत रैदास उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र मलखान को लाठियों से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था और आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली थी लेकिन बाद में छोड़ दिया ।

इलाज के दौरान प्रयागराज के अस्पताल में 13 अगस्त को दलित पर्वत की मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जैसे ही पर्वत का शव पोस्टमार्टम से वापस उनके गांव शेरगढ़ पहुंचा आक्रोशित परिजन और ग्रामीणों ने प्रयागराज कौशांबी मार्ग तिल्हापुर मोड़ चौराहे पर पर्वत के शव को रखकर सड़क पर जाम लगा दिया है।

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते अधिकारी।

चक्का जाम के बाद भीड़ में फंसे वाहन।

आक्रोशित परिजनों ग्रामीणों का कहना था कि पर्वत पर प्राण घातक हमला करने वाले राम कैलाश के दो बेटे खुन्नू निषाद और अजय उर्फ बग्गा निषाद और राम कैलाश के दामाद के नाम मुकदमा लिखने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था लेकिन लेनदेन करने के बाद पुलिस ने आरोपियों को छोड़ दिया है हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग पर आक्रोशित ग्रामीण अड़े रहे। सड़क पर शव रखकर चक्काजाम जाने की जानकारी मिलते ही कई थाना की पुलिस फोर्स के साथ आला अधिकारी चक्का जाम स्थल पर पहुंचे घंटो ग्रामीणों को अफसर समझाते बुझाते रहे लेकिन ग्रामीण जिद पर अड़े रहे अधिकारियों के आरोपियों की गिरफ्तारी किए जाने का आश्वासन और काफी मन मनोबल के बाद ग्रामीणों ने चक्का जाम समाप्त किया है तब आवागमन सुचारू रूप से चालू हो सका है।

छात्र छात्राओं द्वारा तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का दिया गया संदेश

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। महामाया राजकीय महाविद्यालय कौशांबी में आजादी का अमृत महोत्सव के समाप्ति के अवसर पर कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक कौशांबी के पत्र के अनुपालन में मेरी माटी मेरा देश तथा तिरंगा यात्रा कार्यक्रम के अवसर पर महाविद्यालय के रोवरध्रेंजरए राष्ट्रीय सेवा योजना और महाविद्यालय के सभी छात्र छात्राओं द्वारा तिरंगा यात्रा निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया गया। तिरंगा यात्रा का प्रारम्भ महाविद्यालय परिसर से प्रातः 9रू30 पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अरविंद कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया । महविद्यालय से प्रारम्भ होकर तिरंगा यात्रा श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा मंझनपुर कौशाम्बी पहुंची जहां से शिक्षा विभाग द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाना सुनिश्चित था । श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज से चलकर तिरंगा यात्रा समदा मंझनपुर कौशाम्बी स्थित कैप्टन सोहन लाल शहीद स्मारक स्थल पहुंची तथा वहां से पुनः महामाया राजकीय महाविद्यालय में आकर समाप्त हुई।

स्कूल द्वारा निकाली गई रैली।

तिरंगा यात्रा में शामिल छात्र छात्राएं हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता की जय और वंदे मातरम् का नारा लगाते हुए उत्साह पूर्वक यात्रा रैली निकाल रहे थे। तिरंगा यात्रा का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानीयों एवम वीर शहीदों को सम्मान देना और जनता को इसके लिए प्रेरित करना था। तिरंगा यात्रा के अवसर पर ओसा चौराहे पर महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने अमर शहीदों की स्मृति में नुक्कड़ नाटक कर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया महामाया राजकीय महाविद्यालय की तिरंगा यात्रा का नेतृत्व महाविद्यालय की रेंजर प्रभारी डा रीता दयाल एवम राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डा पवन कुमार ने किया। तिरंगा यात्रा में महाविद्यालय के डॉ रमेश चन्द्रएडा ०आनन्द कुमारए डॉ संतोष कुमार कुमार एवम अन्य प्राध्यापक गण मौजूद रहे।

स्कूल गई छात्रा लापता

कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक गांव की एक किशोरी शनिवार के दिन सुबह स्कूल पढ़ने के लिए गई थी दोपहर 2रू00 बजे तक जब छात्रा घर वापस नहीं आई तो परिजन चिंतित हुए परिजनों ने छात्रा की खोजबीन कई ठिकानों पर किया लेकिन छात्र का कोई पता नहीं चल सका छात्रा के पिता ने कड़ा धाम पुलिस को बालिका के गुमशुदगी की तहरीर दी कड़ा धाम पुलिस ने छात्रा की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन में जुट गई है।

सांसद ने कहा कि 14 अगस्त 1947 को 02 देश बनें

विभाजन विभीषिका मनाने का मूल उद्देश्य, जिन लोगों ने अपने प्राणों की आहूति दी तथा जिन लोगों का नरसंहार हुआ, उन्हें याद कर नमन करना हैः सांसद

सांसद ने 14 अगस्त की सायं को प्रत्येक गॉव में मौन जुलूस निकालने का किया आवाह्न

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर ने आज विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर सम्राट उदयन सभागार में आयोजित संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दुनियॉ का सबसे बड़ा विभाजन एवं त्रासदीए उस काल खण्ड का अगर कोई थाए तो वह भारत का विभाजन थाए जिसके कारण 02 करोड़ से ज्यादा लोग अपने मातृभूमि से कट के विस्थापित के रूप में रहने के लिए मजबूर हुए। 06 लाख से ज्यादा लोगों का नरसंहार हुआए माताओं एवं बहनों की अस्मिता को लूटा गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के संज्ञान में लायाध्देश को याद दिलाया कि आजादी के एक दिन पूर्व 14 अगस्त को किस तरह का नरसंहार हुआ था। उन्होंने कहा कि विभाजन विभीषिका मनाने का मूल उद्देश्य.जिन लोगों ने अपने प्राणों की आहूति दी तथा जिन लोगों का नरसंहार हुआए उन्हें याद करना व नमन करना हैं। विस्थापितों ने जो पीड़ा झेलीए उनकी पीड़ा को याद कर सीखने का दिन है। ऐसी त्रासदी देश में दुबारा देखने को न मिलेंए देश में रहने वाला हर एक नागरिक इस त्रासदी से परचित हो तथा उन्हें भविष्य में ऐसी त्रासदी झेलनी न पड़ें। सांसद ने कहा कि 14 अगस्त 1947 को 02 देश बनेंए भारत और पाकिस्तानए लेकिन पाकिस्तान का निर्माण तुष्टिकरण एवं नफरत के आधार पर हुआ था और उसी का परिणाम था कि 1971 में पाकिस्तान का बॅटवारा हुआ तथा बांग्लादेश अस्तित्व में आया। उन्होंने कहा कि इस घटना से हमें सीखना व समझना चाहिए कि एक बार नफरत का बीज बोया गया तो उसका कोई अन्त नहीं है। वर्तमान समय में पाकिस्तान में जो हालात हैंए वो दिन दूर नहींए जब पाकिस्तान का एक और बॅटवाराए पाकिस्तान को देखना पड़ेगाए बलूचिस्तान आज

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी और नेता।

उसी नफरत के बीज में जी रहा है। इन इतिहास की घटनाओं से हमें सीखने की जरूरत है। हमें समाज एवं परिवार में भाईचारा कैसे बना रहेंए इसकी चिन्तन करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से आवाह्न किया कि 14 अगस्त की घटना को याद करते हुए 14 अगस्त की सायं को मौन जूलूस प्रत्येक गॉव में निकलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण मानव जाति के इतिहास में इस प्रकार की विभिषिका एवं त्रासदी कहीं पर भी पढनेए सुनने एवं देखने को नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त को हम आजादी का जश्न मनाते हैं। 14 अगस्त की सायं को मौन जूलूस का भी आयोजन करना चाहिए तथा लोगों को जागरूक करना चाहिए ताकि देश का फिर से विभाजन न होने पायें। उन्हांने कहा कि आज भी समाज में ऐसे विघटनकारी ताकतेंए विघटनकारी लोग मौजूद हैंए जो देश की सभ्यताए संस्कृतिए देश की तरक्की व खुशहाली एवं गॉव की समृद्धि को देख नहीं सकतें। जिसका जो स्वभाव होता हैए वह अपना स्वभाव नहीं छोड़ सकता। बिच्छू डंक मारना नहीं छोड़ सकताए साप का स्वभाव है डसनाए वह डसने के बिना नहीं रह सकता एवं मोर का स्वभाव है नृत्य करनाए वह नृत्य करेंगी। समाज में जो असामाजिक लोग हैंए ऐसे लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्हांने कहा कि जब देश 2047 में आजादी का 100वॉ वर्ष मना रहा हो तोए आज से इस 25 वर्ष की अवधि में हम सबको अपने अधिकारों से ज्यादा अपने कर्तव्यों पर चिन्तन करने की जरूरत हैए जिस दिन देश का बच्चा.बच्चा अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर लेगाए उस दिन इस देश को विश्व गुरू बनने तथा इस देश को वैभवशाली बनने से कोई रोक नहीं सकता।

जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया हैए जिससे आमजन को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गयी यातनाए पलायन एवं वेदना के विषय में बताया जा सकें। उन्होंने कहा कि विभाजन विभिषिका दुर्भाग्यपूर्ण घटना थीए देश का विभाजन किसी विभिषिका से कम नहीं था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी। ऐसे समय पर देश का दो टुकडों में बंट जाने का दर्द आज भी लाखों परिवारों में एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। उन्होंने कहा कि विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस हमें न सिर्फ भेद.भावए वैमनस्य एवं दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलायेगाएबल्कि इससे एकताए सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेंगी इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव एवं मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने भी अपने विचार व्यक्त कियें।

कर्मचारी यूनियन संघ के महामंत्री बने मोहम्मद आसिफ जमाल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। कर्मचारी यूनियन संघ का चुनाव उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक शाखा मंझनपुर में सोमवार को संपन्न हुआ इस चुनाव में मो आसिफ जमाल तीसरी बार कर्मचारी यूनियन संघ के महामंत्री चुने गंए है मोहम्मद आसिफ जमाल के तीसरी बार कर्मचारी यूनियन संघ के महामंत्री बनाए जाने पर लोगों ने उन्हें माल्यार्पण कर जोरदार तरीके से स्वागत किया है उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के अध्यक्ष अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा ने उनके चुने जाने पर उन्हें बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

महामंत्री को बधाई देते अधिवक्ता नर नारायण मिश्रा।

भवंस मेहता विद्याश्रम में तिरंगा यात्रा का आयोजन

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशाम्बी भवंस मेहता विद्याश्रम में सोमवार को तिरंगा यात्रा मेहता कैम्पस एंवं भरवारी नगर में भ्रमण करते हुए विद्याश्रम में समाप्त हुई तिरंगा यात्रा की अगुआई प्रधानाचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव एखेल शिक्षक सुधाकर सिंहएरामसनेही श्रीवास्तवएनगेन्द्र द्विवेदीएशिवम केसरवानीएविवेक चतुवेर्दीएआर0न0बिहारीएसंदीप कुमार एवं लगभग 500 छात्र.छात्राओं ने भाग लिया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने तिरंगा रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने आज जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा श्मेरी माटी मेरा देशश एवं हर.घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत आयोजित तिरंगा रैली को दुर्गा देवी इंटर कॉलेजए ओसा से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह तिरंगा रैली दुर्गा देवी इंटर कॉलेज से शहीद स्मारकए फरीदपुर तक निकाली गई।

स्वतंत्रता दिवस के पूर्व सफाई व्यवस्था की उड़ती दिख रही धज्जियां

प्राथमिक विद्यालय दरियापुर मझियावा में लगा गन्दगी का अंबार

अखंड भारत संदेश

भरवारी/कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के अंतर्गत दरिया पुर मझियवा गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय में वर्षो से गंदगी का अंबार लगा हुआ है स्वतंत्रता दिवस के पूर्व स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ती दिख रही हैं ऐसे में पन्द्रह अगस्त के दिन ध्वजा रोहन के वक्त गांव के ही सभ्य समाज के रहने वाले लोग मौजूद रहेंगे लेकिन विद्यालय परिसर की गंदगी की साफ.सफाई करने सफाई कर्मी नहीं पहुंचे हैं।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक सतीश पांडेय ने बार बार नगर पालिका परिषद के जिम्मेदारों से विद्यालय परिसर में गंदगी को साफ करने की मांग की परंतु किसी के कान में जू तक नही रेगी ऐसे में नव निर्वाचित अध्यक्षा कविता पासी का ध्यान आकर्षित करते हुए ध्वजारोहन से पहले साफ सफाई एवम इज्जत घर में भी साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराए जाने की मांग की है जिससे कल होने वाले ध्वजा रोहन में उपस्थिति होने वाले लोगो में एक अच्छा संदेश जाय क्योंकि सबसे बड़ी समस्या तब आती है जब लड़कियों को लघु शंका के लिए जाना पड़ता है।

तब बजबजा रही नालियों ब गंदगी के अंबार से लोगो को गुजरना पड़ता है जिसकी शिकायत लड़कियों द्वारा प्रधानाध्यापक से किया जाता है स। सब मिलाकर नगर पालिका परिषद कार्यालय दूर होने की वजह से सफाई कर्मचारी भी नगर पालिका अध्यक्ष कविता पासी को गुमराह करते है जिससे विद्यालय परिसर गंदगी से भरा पड़ा है।

विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित लगाई गई प्रर्दशनी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर भारत की वर्तमान और भावी पीढियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गयी यातना एवं वेदना का स्मरण दिलाने के लिए बीथिका कलेक्ट्रेट में विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित लगाई गई प्रर्दशनी का फीता काटकर शुभारम्भ तथा अवलोकन सांसद ने किया इस अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमारए पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तवए मुख्य विकास अधिकारी डॉ रवि किशोर त्रिवेदी एवं जिला अर्थ व संख्याधिकारी अजीत प्रताप सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण तथा गणमान्यगण उपस्थित रहें।

महिला के बाहर जाते ही उसकी बहू ने नगदी जेवर सहित 2 लाख का सामान कर दिया पार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के हिसामपुर गांव की महिला सलमा पत्नी सिद्दीक 10 अगस्त को अपनी बहू के गांव अरई सुमेरपुर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गई थी घर में दूसरी बहू रुखसाना पत्नी मौला मौजूद थी जैसे ही घर के लोग अरई सुमेरपुर गए रुखसाना ने अपने भाई पत्तर और पिता बहार अली को बुला लिया और घर की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखा 60 हजार नगद आधा किलो चांदी के जेवर व ढाई तोला सोने के जेवर को उठा ले गयी हैं जब सलमा वापस लौटी तो देखा कि उसकी बहू रुकसाना भी घर में नहीं है और अलमारी का ताला टूटा हुआ है उसमें नगदी जेवर गायब है जानकारी करने पर मालूम हुआ की रुखसाना के भाई और अब्बू आए थे जिस पर महिला ने बहू के अब्बू से बात किया तो उन्होंने कहा कि हम सामान वापस कर देंगे लेकिन उसके बाद गाली गलौज करने लगे जब महिला बहू के मायके गई तो उसे डाट फटकार कर गाली गलौज कर भगा दिया गया महिला का कहना है कि वह करारी थाना पुलिस के पास गई लेकिन परिवार की बात कहकर पुलिस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है पीड़ित महिला सलमा ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर जेवर नगदी ले जाने वालों पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है।

हर-घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत मंझनपुर चौराहा से डायट मैदान तक बनाई गई मानव श्रृंखला

कौशाम्बी। हर-घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत मंझनपुर चौराहा से डायट मैदान तक मानव श्रृंखला बनायी गई। मानव श्रृंखला में जिलाधिकारी सुजीत कुमार, मुख्य विकास अधिकारी डॉ रवि किशोर त्रिवेदी, अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय एवं अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सहित अन्य अधिकारीध्कर्मचारीगण तथा जनपद के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

77 मोटरसाइकिल के साथ बाबा टीवीएस में निकाली जाएगी भव्य तिरंगा रैली

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भरवारी कस्बे के बाबा चौराहे पर स्थित बाबा टीवीएस बाइक कंपनी में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा 77 वे स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 77 मोटरसाइकिल के साथ तिरंगा रैली यात्रा बाबा टीवीएस द्वारा निकाली जाएगी बाबा टीवीएस के मालिक अमित केसरवानी ने जनपद वासियों को बधाई देते हुए कहा कि आओ देश का सम्मान करेंए आजादी की महान दिन की यादें ताजगी से भरें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के इस अवसर पर बाबा टी वी यस शोरूम बाबा चौराहे रसूलपुर गिरसा भरवारी में सुबह 9 बजे पूरे हर्षोल्लास के साथ ध्वजारोहाण हमारे आपके द्वारा किया जाएगा तत्पश्चात 77 वे स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 77 मोटरसाइकिल के साथ भव्य तिरंगा रैली निकाली जाएगी अमित ने कहा कि आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है समय का विशेष ध्यान दे।

वसूली में लिप्त गौरव सिपाही का नाम सुनते ही भड़क उठे पुलिस अफसर

अखंड भारत संदेश

कौशांबी/ मंझनपुर। कोतवाली क्षेत्र के दीवर कोतारी पुलिस चौकी में गौरव सिपाही के आतंक से गरीब कमजोर मजलूम परेशान हैं।

कुछ दिन पहले किसी अधिकारी के आदेश के बिना किसी न्यायालय के निर्णय के बिना उषा देवी के खेत की फसल को जबरिया पलटवा कर गौरव सिपाही ने खड़े होकर के जमीन दूसरे पक्ष को कब्जा कर दिया जबकि गौरव सिपाही द्वारा जिसे जमीन कब्जा कराया गया है वह संपूर्ण जमीन का 1 बटा 6 का हिस्सेदार है लेकिन संपूर्ण जमीन पर चौकी पुलिस के सहयोग से दबंग कब्जा करना चाहता है।

उषा देवी के अलावा अन्य हिस्सेदारों की जमीन पर भी उसने जबरिया कब्जा कर रखा है इतना ही नहीं अनाथ रूपा देवी और उसकी बहन की संपत्ति पर दबंग ने कब्जा किया है उसी दबंग का साथ गौरव सिपाही दे रहे हैं सोमवार के दिन फरियाद ले कर उषा देवी पुलिस कार्यालय पहुँची और शिकायती प्रार्थना पत्र देकर गौरव सिपाही की करतूत बताई लेकिन शिकायतकर्ता की बात सुनकर गौरव सिपाही की नकेल कर्सा करने के बजाय फरियादी को ही जेल भेजने की धमकी पुलिस अफसर देने लगे सिपाही की अवैध वसूली दूसरे की जमीन को बलपूर्वक अवैध तरीके से दूसरे को कब्जा करने सहित सिपाही पर लगे तमाम आरोप की जांच कराते हुए निलंबित कर सिपाही को जेल भेजने के बजाय सिपाही के कारनामों को उजागर करने वालों को जेल भेजने की धमकी क्षेत्राधिकारी मंझनपुर देंने लगे आखिर पुलिस विभाग की अवैध वसूली और भ्रष्टाचार पर विराम कैसे लगेगा जब भ्रष्टाचारी की शिकायत करने वालों की आवाज दबाने का प्रयास पुलिस अधिकारी करेंगे।

समस्त क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मदर इंडिया इंटर कालेज
प्रबंधक
सरफराज हुसैन
मो0 : 7309934965

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
S.M.L. Convent School
Principal
Geeta Patel
Mob : 7974593142
Kalyanpur, Sirathu, Kaushambi

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सिग्मा हॉस्पिटल
एवं अल्ट्रासाउण्ड सेंटर
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
जिला अस्पताल के सामने ओसा रोड
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जितेन्द्र त्रिपाठी
ग्राम विकास अधिकारी
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मनोज कुमार सिंह
पंचायत सचिव
पूनम सिंह
ग्राम प्रधान
चक थाम्हा ब्लॉक मंझनपुर जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सत्यम हॉस्पिटल
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
जिला अस्पताल के सामने ओसा रोड
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सविता यादव
ग्राम प्रधान
मइला मखदूमपुर, ब्लॉक मंझनपुर
जनपद कौशाम्बी
प्रतिनिधि पवन यादव

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दिनेश पाल
पंचायत सचिव
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
एम.एस. फ्रेंड्स फिलिंग सर्विस
प्रो. मंजर अब्बास
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
इण्डेन एल.पी.जी. गैस गोदाम
सन्तोष आर्मी इण्डेन
ग्रामीण वितरक
लोधउर नेवादा जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नियामत उल्ला इनायत
चिकित्साधिकारी
परिवार कल्याण स्वास्थ्य उपकेंद्र
हिनौता सरसवां कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
उच्च प्राथमिक विद्यालय
पेरई विकास क्षेत्र नेवादा
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश कुमार मौर्या
ग्राम प्रधान एदिल पुर मंझनपुर
ब्लाक अध्यक्ष
प्रधान संघ
विकास खण्ड मंझनपुर जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मोहम्मद नसर
पंचायत सचिव
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
धर्मा देवी इंटर कालेज
केन कनवार अझुवा जनपद कौशाम्बी
संस्थापक : रामावतार त्रिपाठी
प्रधानाचार्य : डॉ राम किरन त्रिपाठी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वीरेन्द्र कुमार
प्रधान पति
बलीपुर टाटा
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
विनीता सोनकर
पत्नी पिंटू सोनकर
ग्राम प्रधान
नरसिंहपुर कछुआ जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
तेजमति हॉस्पिटल
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
डॉ नीतू कनौजिया
समदा रोड, मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बी पी पब्लिक स्कूल
प्रबंधक
सुमित कुशवाहा
धाता रोड मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
शिव नायक हॉस्पिटल
प्रबंधक- डॉ अनिल कुमार त्रिपाठी
डॉ ओ पी गुप्ता
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
जिला अस्पताल के सामने ओसा रोड मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मिड सिटी हॉस्पिटल
डॉ- वीरेंद्र कुमार
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
जिला अस्पताल के सामने ओसा रोड
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नरेश चन्द्र केशरवानी
जिला अध्यक्ष (पूर्व चेयरमैन)
विश्व हिन्दू महासंघ कौशाम्बी
मंझनपुर जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉ बी.के मिश्रा
पीएचसी चरवा
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राजकुमार त्रिपाठी
प्रधानाध्यापक
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
अलवारा महेवाघाट कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश सिंह
प्रधानाध्यापक
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
जमदुआ करारी जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
दयाशंकर सरोज
ग्राम प्रधान
अलवारा
महेवाघाट जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
भूपेंद्र सिंह
प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय अलवारा
महेवाघाट जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
मिठाई लाल
ग्राम प्रधान
रैयादेह माफी
चायल कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
अलोक राय
संचालक
वृद्ध आश्रम ओसा मंझनपुर
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सिद्दीक हसन
उर्फ अम्बर भाई
जिला उपाध्यक्ष
बहुजन समाज पार्टी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सोनू जौहरी
कोटेदार पुत्र
गुलामीपुर
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पूर्णिमा हॉस्पिटल
डॉ- एस० के० सिंह
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
जिला अस्पताल के पास ओसा रोड
मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
चुन्नीलाल सरोज
प्रधानाध्यापक
दुर्गा देवी इंटरमीडिएट कालेज
ओसा मंझनपुर कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
त्रिभुवन नाथ सिंह
प्रधानाध्यापक
प्राथमिक विद्यालय
रामचरण का पूरा विकासखंड
मंझनपुर कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
कौशलेंद्र मिश्रा
प्रवक्ता डायट
जनपद कौशाम्बी

समस्त जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
नीरज सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
बमरौली सिराथू कौशाम्बी

पुरुषोत्तम मास के अंतिम सोमवार में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब

सुरक्षा के साये में शिवभक्त कर रहे जलाभिषेक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुरुषोत्तम मास के अंतिम सोमवार में रामघाट स्थित मत्यगयेंद्रनाथ मन्दिर में श्रद्धालुओं का तांता लगा। हर-हर महादेव से धर्मनगरी गूंज उठी। भीड़ को काबू करने को पुलिस बल तैनात रहा। सोमवार को सवेरे से ही शिव भक्त मत्स्यगयेन्द्रनाथ मन्दिर जलाभिषेक को पहुंचने लगे। एसपी वृंदा शुक्ला के निर्देश पर भारी पुलिस बल श्रद्धालुओं की सुरक्षा को तैनात रहा। शिव भक्तों को कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ा। महिलाओं और पुरुषों की

अलग-अलग लाइन लगाकर व्यवस्थित ढंग से जलाभिषेक कराया जा रहा है।
शिवपुराण के अनुसार श्रृष्टि आरंभ पूर्व ब्रम्हाजी ने 108 कुंडीय यज्ञ किया था।
भगवान शिव प्रकट हुए थे और ब्रम्हाजी के आग्रह से शिव ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हुए थे। यहां पर चार शिवलिंग एक ही जलहरी में विराजमान हैं। ऐसा दर्शन पूरे विश्व में नही हैं। शिवपुराण अनुसार चारो शिवलिंग अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष को देने वाले हैं।
इसी क्रम में पुरुषोत्तम मास के आखिरी सोमवार को जिले के पहाड़ी में प्रसिद्ध/ऐतिहासिक तपोस्थली पालेश्वर नाथ महाराज में भक्तों का तांता लगा। भगवान भोलेनाथ से जुड़ा ये जिले का बेहद प्रसिद्ध स्थल है। पर्यटन की मुख्य धारा से इसे जोड़ना आवश्यक है। सबसे खास बात ये है कि सवेरे चार बजे से ही इस स्थल पर स्थानीय लोगों का हुजूम जुटा था। प्रतिदिन यहां भीड़ रहती है। बताते हैं कि किसी भी संकट की स्थिति में पालेश्वर बाबा की कृपा लोगों पर बनी रहती है।

युवा पीढी को बताई विभाजन की पीडा, भाजपा नेताओं ने मनाया विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। टाउनहॉल कर्वी में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विभाजन बाबत प्रदर्शनी व अभिलेख का शुभारम्भ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि किया। विशिष्ट अतिथि/दिव्यांग विश्वविद्यालय कुलपति डॉ शिशिर पांडेय व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश खरे आदि मौजूद रहे।
सोमवार को भाजपा नेताओं ने भारत विभाजन बाबत गोष्ठी की पीड़ा से युवा पीढ़ी को अवगत कराया। लगाई चित्र प्रदर्शनी लोगों ने देखी। हर घर तिरंगा यात्रा निकाली गई। पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कर्वी नरेंद्र गुप्ता, पूर्व विधायक मानिकपुर आनंद शुक्ला, पूर्व कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष बद्री प्रसाद त्रिपाठी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरिओम करवरिया, आनंद प्रताप सिंह, जिला महामंत्री आलोक पांडेय, अश्वनी कुमार अवस्थी, प्रेम लाल बाल्मिक, पूर्व जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जगदीश गौतम, रामेद्र गौतम समेत जिला विकास अधिकारी आरके त्रिपाठी, ईओ नगर पालिका लालजी यादव समेत संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाकियू ने प्रदर्शन कर उठाई मांगें

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भारतीय किसान एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव रामवीर सिंह चैहान व जिलाध्यक्ष गज्जू प्रसाद फौजी ने देश के प्रधानमंत्री समेत कृषि मंत्री, मुख्यमंत्री आदि को भेजे ज्ञापन में कहा कि तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन हरपाल गुट ने प्रदर्शन कर बैठक की है।
सोमवार को तहसील कर्वी में प्रदर्शन व बैठक के बाद भाकियू हरपाल गुट ने प्रधानमंत्री समेत मुख्यमंत्री आदि को भेजे ज्ञापन में कहा कि जिले के किसानों को खाद-बीज समय से दिया जाये। जिले में नहरों में पानी छोडा जाये। अन्ना पशुओं को गौशालाओं में बन्द किया जाये। डीजल, बिजली किसानों को सस्ती दरों पर दी जाये। किसानों की एमएसपी की मांग मानी जाये। लखीमपुरखीरी में गाडी चढाकर किसानों को रौंदने वाले मंत्री को बर्खास्त किया जाये। बेरोजगारों को तीन हजार रुपया पेंशन दी जाये। बुन्देलखण्ड सूखे की चपेट में है। किसानों को धान की फसल का मुआवजा दिया जाये। इस मौके पर राजेश कुमार द्विवेदी, हरबंश सिंह राजपूत, हरगोविन्द सिंह कुशवाहा, संतराम, महावीर यादव, राधामोहन, सुधीर सिंह चैहान, राम राकेश, लक्ष्मीदेवी कुशवाहा, छुन्नी देवी, यदुनाथ सिंह आदि मौजूद रहे।

मानिकपुर क्षेत्र अवैध ब्लास्टिंग, जिम्मेदार नहीं करते कार्यवाही

थर्रा रही धरती, सड़क में पड़ रही दरार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मानिकपुर तहसील क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से मानिकपुर-इटवां मार्ग पर मारकुंडी व छेरिहा के बीच अवैध ढंग से ब्लास्टिंग हो रही है। बिना किसी सूचना के किसी भी समय ब्लास्टिंग शुरू कर दी जाती है। इससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।
अवैध ब्लास्टिंग का खुलासा सोमवार को हुआ। बताया गया कि मानिकपुर तहसील क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से मानिकपुर-इटवां डुडैला मार्ग पर अवैध ब्लास्टिंग हो रही है। बालबाल बचे सड़क से निकले यात्री ने बताया कि ब्लास्टिंग करने वाले सडक पर कोई बोर्ड भी नहीं लगाते।
जल जीवन मिशन के तहत पाइप लाइन डालने को सड़क किनारे खुदाई चल रही है। बारूद से अवैध ब्लास्टिंग की जा रही है। एक ओर सड़क से निकल रहे राहगीरों की जान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। वहीं प्रमुख मार्ग पर दरारें पड़ने से सड़क खराब हो रही है। बिना किसी सुरक्षा के बेरोकटोक ब्लास्टिंग जारी है। नियम विरुद्ध ढंग से दिनदहाड़े विस्फोट होने से बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भरने से कभी भी कोई हादसा हो सकता है। अवैध ब्लास्टिंग करने वाले रसूखदार ठेकेदारों पर तहसील प्रशासन क्यों मेहरबान है। ठेकेदार के रसूख के चलते तहसील प्रशासन कार्रवाई से बच रहा है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारी अनहोनी रोकने को कोई कार्रवाई नहीं कर रहे।

शिव पूजन समेत माता-पिता की सेवा अनिवार्य: वेद प्रकाश शुक्ल

अखंड भारत संदेश

मऊ/चित्रकूट। मऊ नगर पंचायत के श्री विचित्रवीर हनुमान मंदिर के शिव मंदिर में चल रही शिव महापुराण के छठवें दिन कथा व्यास ने कहा कि शिव पूजन के साथ माता-पिता की सेवा परम आवश्यक है, क्योंकि अध्यात्म में शिव की

पूजन-अर्चना का विशेष महत्व हैं। भगवान शिव की पूजा सभी मनोरथों को सिद्ध करने वाली हैं।
सोमवार को कथा व्यास वेदप्रकाश शुक्ला ने कहा कि जीवन देने वाले माता-पिता ईश्वर का दूसरा रूप होते हैं। गर्भस्थ शिशु मां के गर्भ में अनेक कष्टों में ईश्वर को याद कर कहता है कि यहां से जाकर ईश्वर की आराधना पूजा करूंगा। ईश्वर कहते हैं कि वहां तुम्हे सहज रूप में नही मिलूंगा। इसलिए प्रत्यक्ष रूप में तेरे माता-पिता ही तुम्हारे ईश्वर होंगे। उनकी सेवा से तुम्हारी सभी कामनाओं को पूर्ण करुंगा। कथा व्यास ने कहा कि आज के बदलते समय में लोग माता-पिता को बोझ समझते हैं। याद रहे कि कल जो संताने होंगी, उनके लिए तुम भी बोझ बनोगे। इसीलिए माता-पिता की सेवा अनिवार्य है।
कथा के समय श्री विचित्र वीर हनुमान मंदिर के महंत लाल दास शुक्ल, यजमान कुसुमलता, अंकित सिंह समेत सकड़ों श्रोताओं ने कथा सुनी।

कोतवाली पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनामी दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी व सीओ सिटी हर्ष पाण्डेय की देखरेख में निरीक्षक अपराध अजीत कुमार पाण्डेय की टीम ने 25 हजार रुपये के इनामी अपहरण, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट के वांछित अमित तिवारी पुत्र मइयादीन तिवारी निवासी अशोह थाना पहाड़ी को गिरफ्तार

किया है। गिरफ्तार अमित तिवारी तीन माह से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी को पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। टीम में निरीक्षक अपराध अजीत कुमार पाण्डेय कोतवाली कर्वी, दरोगा पवन कुमार प्रधान, सिपाही गोलू भार्गव व अमित दुबे शामिल रहे।

अवैध परिवहन रोकने को और लगायें कैमरे: डीएम

डीएम ने देखे सम्पर्क मार्ग व गेट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। अंतर्राज्यीय/अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दो लेन मार्ग पर गेट एवं प्रकाश का कार्य कर्वी-देवांगना हवाई पट्टी हनुमान धारा मार्ग व भरतकूप-गोंडा में बन रहे संपर्क मार्ग पर अवैध परिवहन पर निगरानी रखने को चेक गेट शिवरामपुर का जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने निरीक्षण किया।
सोमवार को जिलाधिकारी ने गेट निर्माण बाबत कहा कि गेट के बीच में बीम में उप्र आगमन पर स्वागत लिखवायें। आगे मोड़ पर वार्निंग बोर्ड लगवाए। शासन के गाइडलाइन मुताबिक टाइमलाइन के अंदर ही बनायें। जो कच्ची जमीन छूट रही है, उस पर इंटरलॉकिंग करायें। जो

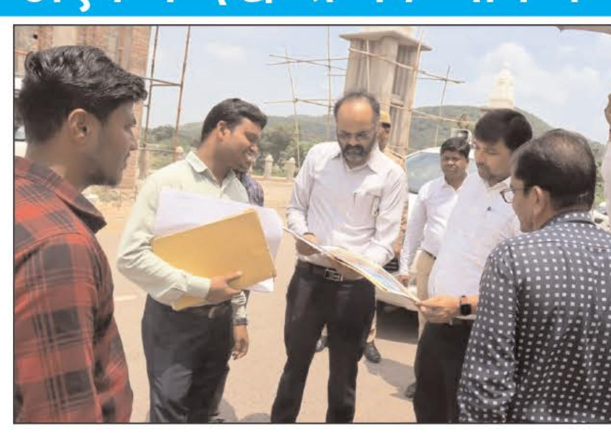

गेट बन रहा है, अच्छी क्वालिटी का पत्थर लगाकर प्रकाश व्यवस्था करायें। उन्होंने लोनिवि प्रांतीय खंड के एक्सईएन सत्येन्द्रनाथ को निर्देश दिये कि लेखपाल से सर्वे कराकर राजस्व भूमि अलग करायें। मैनपावर बढ़ाकर जल्द कार्य पूर्ण करायें। उन्होंने भरतकूप-गोंडा में बन रहे संपर्क मार्ग की आरसीसी रोड का निरीक्षण किया।
जिलाधिकारी ने रिबाउंड हैमर टेस्ट मशीन से आरसीसी रोड की क्वालिटी देखी। रोड किनारे मिट्टी अच्छे से भरवायें। अधिशासी अभियंता लोनिवि प्रांतीय खंड को निर्देश दिये कि जो रोड शेष रह गई है, उसकी मंजूरी को शासन को पत्र भेजें। जिलाधिकारी ने अवैध परिवहन पर काबू करने को चेक गेट शिवरामपुर भी देखा। जिला खनिज अधिकारी को निर्देश दिये कि जरूरत पडे तो और कैमरे बढ़ाये, ताकि अवैध परिवहन पर रोक लगाई जा सके। इस मौके पर अधिशासी अभियंता लोनिवि प्रांतीय खंड सत्येंद्रनाथ, जेई अमित कुमार, जिला खनिज अधिकारी सुधाकर सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

तीन के कब्जे से महुआ व देशी शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने तीन लोगों के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब व 44 क्वार्टर देशी शराब बरामद की।
सोमवार को रैपुरा थाने के दरोगा रमेश सिंह यादव की टीम ने सुखेन्द्र कोल पुत्र फेरम निवासी धौहाई का पुरवा मजरा इटवां के कब्जे से 24 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया।
पहाडी थाने के दरोगा रविकान्त राय की टीम ने राजाराम पुत्र कालका निवासी तरकहिया का पुरवा मजरा कलवारा बुजुर्ग के कब्जे से दस लीटर महुआ शराब समेत गिरफ्तार किया। राजापुर थाने के सिपाही शुभम त्रिपाठी ने मुकेश रैकवार पुत्र स्व रामचन्द्र रैकवार निवासी गयागंज के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया।

स्ट्रेस को डिस्ट्रेस न बनने दे : डॉ. आलोक

अयोध्या। बढ़ता मनोतनाव तेजी से बढ़ रहे मनोशारीरिक बीमारियों या साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर का कारण बनता जा रहा है। स्ट्रेस या मनोदबाव का सकारात्मक प्रबन्धन न कर पाने पर स्ट्रेस नकारात्मक रूप ले लेता है जिसे डिस्ट्रेस या अवसाद कहा जाता है जिससे उलझन, बेचैनी, घबराहट, अनिद्रा आदि के साथ शारीरिक दुष्प्रभाव भी दिखाई पड़ते हैं जिसे साइकोसोमैटिक डिसऑर्डर कहते है । पाचन क्रिया से लेकर हृदय की धड़कन तक शरीर की हर एक कार्यप्रणाली इससे दुष्प्रभावित होती है, मनोवैज्ञानिक उपचार के बिना इनका स्थायी इलाज नही हो सकता । मेन्टल स्ट्रेस से कार्टिसाल व एड्रेनिल हॉर्मोन बढ़ जाता है जिससे चिंता, घबराहट, एडिक्टिव इटिंग,आलस्य, मोटापा, अनिद्रा व नशे की स्थिति भी पैदा हो सकती है । यह बातें दर्सगाह-ए-इस्लामी इण्टर कालेज, मुगलपुरा में अध्यापकों की ह्लतनाव प्रबंधन व अग्रसक्रिय शिक्षणह्व विषयक कार्यशाला में मौजूद मुख्य अतिथि जिला चिकित्सालय के मनोपरामर्शदाता डा० आलोक मनदर्शन द्वारा कही गयी ।
उन्होने बताया कि चिंता व घबराहट एक हफ्ते से ज्यादा महसूस होने पर मनोपरामर्श अवश्य लें । स्वस्थ, मनोरंजक व रचनात्मक गतिविधियों तथा फल व सब्जियों का सेवन को बढ़ावा देते हुए योग व व्यायाम को दिनचर्या में शामिल कर आठ घन्टे की गहरी नींद अवश्य लें । इस जीवन शैली से मस्तिष्क में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन, डोपामिन व एंडोर्फिन का संचार होगा जिससे दिमाग व शरीर दोनों स्वस्थ रहेंगे । यह जीवन चर्या हैप्पीट्यूड कहलाती है जिससे मनोशारीरिक तथा भावनात्मक रोगों से बचाव सम्भव है । कार्यशाला में प्रतिभागियों के संशय व सवालों का समाधान भी किया गया। अध्यक्षता प्रधानाचार्य इरफान अहमद तथा संयोजन मोहम्मद जिया व अरशद रिजवी द्वारा किया गया। अलीम उल्लाह, गुले शीरीं,हमीदा नसीम, जहीर अब्बास , मो अरसलान,मो० खालिद, शरीफुल हसन, अनिल कुमार मिश्र, मो. जुबैर, मनोज कुमार, सुनीता पुशांग, मंजू सिंह सहित सभी शिक्षक मौजूद रहे ।

गांव व गांव की समस्या से बेजार हैं योगी के अफसर

मेरी माटी-मेरा देश मनाने का क्या है औचित्य?

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। मेरी माटी-मेरा देश के तहत हर घर तिरंगा फहराने का अभियान जारी है। ग्रामीण क्षेत्र की जनता आज भी अधिकारियों व जिम्मेदारों की गुलामी में जकड़ी है। मानिकपुर तहसील क्षेत्र के लोग कीड़े-मकोड़े की जिंदगी गुजारने को मजबूर हैं। ग्रामीण किस उत्साह से आजादी का अमृत महोत्सव मनाये। कैसे जाहिर करें अपनी खुशी कि वे आजाद हो चुके हैं। जिन्हें चलने को आजादी के बाद पक्की सडक नसीब नहीं है। वे गड्ढा युक्त सडकों पर चलने को मजबूर हैं। संबंधित अधिकारियों की नाकामी व जिम्मेदारों की लापरवाही साफ देख सकते हैं। ग्रामीणों की समस्या पर अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे। मानिकपुर के सकरौहा गांव के मुख्य मार्ग में दलदलनुमा बड़ा गड्ढा है, जो काफी पुराना हो गया है। गड्ढे की जानकारी ब्लाक में बैठे अधिकारियों को कई बार दी गई है। ग्रामीणों का दुर्भाग्य कहें कि किसी संबंधित अधिकारी की नजर नहीं पडी। दलदलनुमा गड्ढा बड़ी घटना को दावत दे रहा है। यहां रोशनी की भी कोई व्यवस्था नहीं है। स्ट्रीट लाइट प्रतिदिन गायब रहती है। रात के अंधेरे में बाइक सवार गड्ढे में गिरकर चोटहिल होते हैं। अधिकारी इस कदर बेदर्द हो गये हैं कि गांव व ग्रामीणों की समस्या से बेजार हैं।

पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन की हुई बैठक

अयोध्या। पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन की एक आवश्यक बैठक एक शाने अवध होटल के सभागार मे प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुई। इस बैठक मे एसोसिएशन के पदाधिकारियो के साथ अन्य संबंधित मुद्दों औ? पेट्रोल पंप की सुरक्षा को लेकर विचार परामर्श किया गया। बैठक को लेकर जानकारी देते हुए कुमार सिंह ने बताया कि पिछले लगभग सात वर्षो से डीजल एवं पेट्रोल पर एक भी पैसे कमीशन नही बढ़ाया गया। एसोसिएशन द्वारा मोबाइल बाउजर वैन को उत्तर प्रदेश शासन ने बन्द कर दिया।

एसपी के निर्देश पर सात पर मिनी गुण्डा एक्ट

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा ने भोली-भाली जनता में भय-आतंक फैलाकर गुंडागर्दी करने वाले सात लोगों पर मिनी गुण्डाएक्ट की कार्यवाही की है। इससे अपराधी तत्वों में खलबली मची है।सोमवार को राजापुर थानाध्यक्ष भास्कर मिश्रा ने जैनाद पुत्र सुकुरू रैदास, चुन्नू पुत्र नत्थू रैदास, बाबूलाल पुत्र नत्थू रैदास, जगत पुत्र सेवना, राजकुमार पुत्र त्रिभुवन यादव निवासी नांदिन कुर्मियान व राकेश पुत्र रमेश, अवधेश पुत्र हीरालाल निवासी मझगवां के खिलाफ धारा 110जी सीआरपीसी के तहत कार्यवाही की है।

डोगरा रेजिमेंट द्वारा अवध विवि में देश भक्ति की शानदार बैंड प्रस्तुति

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद प्रेक्षागृह में शनिवार को सायं 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में डोगरा रेजिमेंट द्वारा आर्मी बैंड शो का आयोजन किया गया। इस दौरान डोगरा रेजिमेंट के जवानों ने देश भक्ति की शानदार बैंड प्रस्तुति दी। अविवि की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल, ब्रिगेडियर के0 रणजीत सिंह, श्रीमती विभा सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, कुलसचिव डॉ. अंजनी कुमार मिश्र, परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में एजुकेशन हवलदार अक्षय त्यागी के कुशल संचालन में आर्मी बैंड की प्रस्तुति दी गई। शुभारम्भ वंदे मातरम की धुन से किया गया। इसमें आर्मी बैंड के जवानों द्वारा सात पुराने मशहूर गानों का गुलदस्ता प्रस्तुत किया गया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.: 9565333000
Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा।

अवैध वसूली से तंग टैम्पो चालकों ने एसपी से की शिकायत

एसपी ने सीओ को सौंपी जांच

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। रामघाट से लेकर सीतापुर क्षेत्र के टैम्पो चालकों ने पुलिस व कुछ जनप्रतिनिधियों पर दबाव बनाकर अवैध वसूली का आरोप लगाया है। एसपी को लिखे पत्र में कहा है कि वसूली गैंग से सब परेशान हैं।
सोमवार को टैम्पो चालक विनोद, अजय, वीरेंद्र, मइयादीन, धीरेंद्र, राजाराम, जगमोहन, शशिभूषण, घनश्याम व सुरेश समेत पचास टैम्पो व रिक्शा चालकों ने एसपी को सौंपे पत्र में कहा कि सीतापुर चैकी में तैनात दो सिपाही व कुछ

जनप्रतिनिधि के सहयोगी दबाव बनाकर हफ्ता वसूली करते हैं। विरोध पर आए दिन चालान कर मार्ग पर न चलने को मजबूर करते हैं। बताया कि ज्यादा विरोध पर मारपीट पर आमादा होते हैं। आरोपियों की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।
उन्होंने कहा कि इनके खिलाफ कार्रवाई न होने पर ऑटो चालक व ई-रिक्शा चालक एकत्र होकर आंदोलन करेंगे। इस बाबत एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि मामले की जांच सीओ सिटी हर्ष पांडे को दी गई है। दो दिन के अंदर जांच रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जायेगी। कोई पुलिस कर्मी इसमें संलिप्त मिला तो उस पर कार्रवाई की जाएगी।

अवध विवि के 17 छात्रों को आईटी कंपनी में मिला प्लेसमेंट

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्लेसमेन्ट एण्ड सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट सेल द्वारा वात्सल्य डिजिटल डाटा सोल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड आईटी कम्पनी के लिए प्लेसमेन्ट ड्राइव चलाया गया जिसमें आवासीय परिसर के 17 छात्रों को प्लेसमेंट दिया गया। प्लेसमेंट कंपनी की ड्राइव में एचआर एवं उनकी टीम ने दो जॉब के लिए एमबीए, बीबीए, बीकॉम, बीसीए, बीटेक इलेक्ट्रिकल तथा फिजिक्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कुल 53 छात्र-छात्राओं ने चयन प्रक्रिया में हिस्सा लिया। कंपनी के साक्षात्कार उपरांत कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट के पद पर 07 व फाइनेंशियल एडवाइजर के लिए 10 छात्रों का चयन किया गया। इस प्लेसमेन्ट ड्राइव में कम्पनी की एमडी निहारिका कौशल, डायरेक्टर वैभव सिंह व एचआर नारायण वशिष्ठ द्वारा विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय प्लेसमेन्ट सेल की निदेशक डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव ने बताया कि विवि की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के निर्देशन में छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव चलाया गया है। इस प्लेसमेंट सेल द्वारा छात्रों में स्किल डेवलपमेंट के साथ रोजागार भी मुहैया कराया जा रहा है। प्लेसमेन्ट ड्राइव आईटी की कंपनी ने दो जॉब के पदों पर विश्वविद्यालय के 17 छात्रों को चयन किया है।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाईयाँ

मेरा गाँव   मेरा देश

आजादी का अमृत महोत्सव

कार्यालय सचिवालय भवन अल्हवा, कोरांव-प्रयागराज

मा0 राजमणि कोल
(विधायक कोरांव)

मुकेश कुमार कोल
(ब्लाक प्रमुख कोरांव)

धीरेन्द्र कुमार यादव
(खण्ड विकास अधिकारी कोरांव)

सुनील कुमार सरोज
(ग्राम विकास अधिकारी)

अहद अहमद सिद्दीकी शहजादे
ग्राम प्रधान
मंत्री अखिल भारतीय प्रधान संगठन मण्डल प्रयागराज

पंकज दीक्षित
प्रधानाध्यापक प्रा0 वि0 अल्हवा

उपासना सिंह
अध्यापिका

विनोद पाण्डेय
प्रो0 संस्कार कांस्ट्रक्शन

वैभव सिंह
बाला जी कांट्रक्शन प्रयागराज

अनस अहमद
प्रधान प्रतिनिधि

बिट्टो बेबी
आशा बहू अल्हवा

विकास के अन्य कार्य और प्रगति

ग्राम पंचायत अल्हवा में पी.एस. सी.एम. कोल विकलांग आवास योजना का लाभ दिया गया शेष पात्रों हेतु प्रस्तावित विधवा, विकलांग, वृद्धा पेंशन धारकों, स्वच्छ शौंचालय, पात्रो को गैस चुल्हा वितरण में सहायता पात्रों की भूमि सुधार योजना के तहत काफी लोगों की जमीने भुमि सुधार के कार्य, मेड़बन्दी, बन्धे निर्माण एवं श्रमिको के हितार्थ योजनाओं के लाभ में सहायता, पौध रोपण, ग्राम सभा में कई प्रमूख सड़कों का निर्माण कार्य कराये गये तथा कई प्रस्तावित है शासन स्तर पर भी कई मार्ग निर्माण पुलीया और कूप जगत चबुतरे आदि विद्यालय के काया कल्प एवं शुद्ध पेयजल हेतु हर घर जल योजना आदि के प्रस्ताव प्रेषित है।

मनरेगा पार्क का उद्घाटन दिनांक 15 अगस्त 2023

ग्राम पंचायत संसारपुर
कोरांव-प्रयागराज

डा0 मुख्तार अहमद (लाला सिद्दीकी)

मिसकीन सेवा संस्थान ट्रस्ट

सहायिका प्रेमकली
मो0 9450613192